रजिस्ट्री सं. डी.एल.- 33004/99 REGD. No. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-10082020-221025
CG-DL-E-10082020-221025

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2333] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अगस्त 6, 2020/श्रावण 15, 1942
No. 2333] NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 6, 2020/SRAVANA 15, 1942

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 अगस्त 2020

का.आ. 2632(अ).— प्रारुप अधिसूचना भारत के राजपत्र, असाधारण में भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 4322 (अ), तारीख 28 नवम्बर, 2019, द्वारा प्रकाशित की गई थी जिसमें ऐसे सभी व्यक्तियों से, जिनकी उससे प्रभावित होने की संभावना थी, उस तारीख से, जिसको उक्त अधिसूचना को अन्तर्विष्ट करने वाले राजपत्र की प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दी गई थीं, साठ दिन की अवधि के भीतर आक्षेप और सुझाव आमंत्रित किए गए थे;

और, उक्त प्रारूप अधिसूचना को अन्तर्विष्ट करने वाली राजपत्र की प्रतियां जनता को तारीख 29 नवम्बर, 2019, को उपलब्ध करा दी गई थी;

और, प्रारुप अधिसूचना के उत्तर में व्यक्तियों और पणधारियों से कोई भी आक्षेप और सुझाव प्राप्त नहीं हुए;

और, कृष्णा वन्यजीव अभयारण्य आंध्र प्रदेश सरकार के वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 26 (क) के अधीन जी.ओ.एमएस.सं.79 पर्यावरण, वन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी (एफ ओ आर-III), तारीख 27.06.1998 को घोषित किया गया। अभयारण्य का कुल क्षेत्रफल 194.81 वर्ग किलोमीटर है जिसमें नचुगूंटा खंड-II रिज़र्व वन (आर एफ)

8.7548 वर्ग किलोमीटर है जिसमें कि 15°- 42" से 16°-00" उत्तर और 80°- 46" से 81°- 08" पूर्व के बीच में अभयारण्य क्षेत्र के दो राजस्व जिलें, अर्थात् कृष्णा और गुंटूर शामिल है;

और, कृष्णा वन्यजीव अभयारण्य के वनस्पति और जीवजंतु में विशिष्ट पारिस्थितिकी प्रणाली का गठन किया गया है, जो कृष्णा एस्टुरीन क्षेत्र में विद्यमान ज्वारीय वन (मैंग्रोव) की विशेषता है; नदी के किनारे के साथ मैंग्रोव कृष्णा डेल्टा कॉम्पलैक्स में जिला पर्यावास बनाते है; मैंग्रोव लवण टोलेंट वन पारिस्थितिकी–प्रणाली है जो मुख्य रूप से विश्व के उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय अंतर्ज्वारिय क्षेत्रों में पाए जाते हैं, जिनमें विशिष्ट जैविक और भू- वैज्ञानिक विशेषताएं हैं और वे न केवल अत्यधिक संवेदी और उत्पादक क्षेत्र हैं, बल्कि झींगा, शेल और फिन मछली आदि के लिए नर्सरी क्षेत्र के रूप में भी कार्य करते हैं। मैंग्रोव वन में होने वाली वनस्पति और जीवजंतु में लवणता की विभिन्न डिग्री को सहन करने की विशेष क्षमता होती है; अनुकूल स्थितियों में मैंग्रोव सघन वनों का व्यापक उत्पादन पारि-प्रणाली बनाते हैं। वह एक दूसरे से संबंधित पौधों और पशुओं की कई प्रजातियों के लिए वास कर रहे हैं; अभयारण्य में पौधों और पशुओं की विभिन्न प्रजातियों के बीच अंतर-संबंध अध्ययन के लिए रूचि का विषय है;

और, अन्य प्रजातियों के साथ ज्वारीय वन (मैंग्रोव वन) मुख्य प्रकार के वन एविकेनिया ऑफिकिनालिस, एविकेनिया मरीना, एविकेनिया अल्बा, राहीजोफोरा कोन्जुगाटा, एक्सोकरिया एग्लोचा, लुमिन्टजेरा रेकेमोसा, एगेकेरेस कोरनिकुलातम, एकेंथुस इल्लीकिफोलिउस, क्रिप्स रोक्बुरघिइना, बरूगुइरा कोंजुगाटा, कारपा मोलेकेंसिस, डालबेरगिया स्पिनोसा, डेर्रीस उलीगनोसा, ए केंथुस इलिकिफोलिउस, सेसुवियम पोरटुलाकुस्ट्रम, सुआडा नुडीफलोरा, सुआडा मोनोविका, सालिकोर्निया ब्रोइएट, मायरियो स्टाच्या आदि है; अभयारण्य में मुख्य जीवजंतु ग्रेट क्रेस्टेड ग्रेब, छोटा ग्रेब, भारतीय झबरा, छोटा जलकौआ, पर्पल बगुला, पोंड बगुला, लार्ज इग्रेट, मवेशी इग्रेट, भारतीय रूफ बगुला, वाक बगुला, चेस्टनट बिट्टर्न, येलो बिट्टर्न, ग्लोस्सी ईबिस, चित्तदार बिल्लेड बत्तख, माल्लर्ड, तिदारी, लाल क्रेस्टेड पोचार्ड, गुच्छेदार बत्तख, कॉम्ब बत्तख, काला विंगेड काईट, भारतीय मूरथन, कूट और सामान्य कूट, तीतर टीलेड जकाना, काला विगेड स्टिल्ट, लाल वाट्टलेड टिटहरी, गोल्डन बटान, लार्ज सैंड बटान, रिंगेड बटान, सामान्य सैंडपाइपर, पिंटेल स्निप, जैक स्निप, छोटा स्टींट, छोटा टर्न, ब्लू रॉक कबूतर, रिंगडव, चितकबरा क्रेस्टेड कोयल, भारतीय कोयल, चितकबरा किंगफिशर, स्वाल्लोव, रोज़ी पास्टोर, ग्रे हेडेड मैना, लाल वेंटेड बुलबुल, चितकबरा बाब्बलेर, लार्ज बुस वार्बलर, असह्य वरन वार्बलर, ब्राउन लैफ वार्बलर, रेड स्टार्ट, विचित्र चाट, पर्पल शकरखोर, सफेदी पेलिकन, बांकर, स्पून बिल्ल, रीसस बंदर, पोंड और ग्रीन मेंढक, ट्री मेंढक, हाउस गेक्को, वाल्ल छिपकली, गोल्डन छिपकली, धारीधार कैल बैक, ओलिव कैलबैक, कोबरा, रूस्सेलस वाइपर, हॉक नोसड सी साँप, हॉक्सबिल सी, एस्टुरीन मगरमच्छ, आदि उपलब्ध है; और अभयारण्य में ओलिव रिडले कछुआ भी प्रजनन करते हैं और पिछले तीन वर्षों से अभयारण्य में समुद्री कछुआ (ओलिव रिडले) का संरक्षण महत्त्वपूर्ण क्रियाकलाप बन गया है;

और, कृष्णा वन्यजीव अभयारण्य और के चारों ओर के क्षेत्र को, जिसका विस्तार और सीमाऐं इस अधिसूचना के पैरा 1 में विनिर्दिष्ट हैं, पर्यावरण की दृष्टि से पारिस्थितिकी संवेदी जोन के रूप में सुरक्षित और संरक्षित करना और उक्त पारिस्थितिकी संवेदी जोन में उद्योगों या उद्योगों के वर्गो के प्रचालन और प्रसंस्करण करने को प्रतिषिद्ध करना आवश्यक है;

अतः, इसलिए, केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) के साथ पठित पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 3 की उपधारा (1) और उपधारा (2) के खंड (v) और खंड (xiv) और उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आंध्र प्रदेश राज्य के कृष्णा और गुंटूर जिला के कृष्णा वन्यजीव अभयारण्य की सीमा के चारों ओर 1.0 किलोमीटर से 2.90 किलोमीटर तक विस्तारित क्षेत्र कृष्णा वन्यजीव अभयारण्य को पारिस्थितिकी संवेदी जोन (जिसे इसमें इसके पश्चात् पारिस्थितिकी संवेदी जोन कहा गया है) के रूप में अधिसूचित करती है, जिसके विवरण निम्नानुसार है, अर्थात् :-

1. पारिस्थितिकी संवेदी जोन का विस्तार और उसकी सीमाएं- (1) पारिस्थितिकी संवेदी जोन का विस्तार कृष्णा वन्यजीव अभयारण्य की सीमा के चारों ओर 1.0 किलोमीटर तक विस्तृत है, जब तक कि उत्तरी सीमा पर एक बिंदु सर्वेक्षण स्टेशन 11 और 12 के बीच है, जहां नच्चुगुंटा रिज़र्व वन खंड पारिस्थितिकी संवेदी जोन में शामिल है; जहां विस्तार 2.90 किलोमीटर है और पारिस्थितिकी संवेदी जोन का क्षेत्रफल 175.33 वर्ग किलोमीटर है।

(2) पारिस्थितिकी संवेदी जोन और कृष्णा वन्यजीव अभयारण्य की सीमा का विवरण उपाबंध I के रुप में उपाबद्ध है।

(3) सीमा विवरण और अक्षांश और देशांतर के साथ पारिस्थितिकी संवेदी जोन को सीमांकित करते हुए कृष्णा वन्यजीव अभयारण्य के मानचित्र उपाबंध-IIक, उपाबंध-IIख और उपाबंध-IIग के रूप में उपाबद्ध है।

(4) पारिस्थितिकी संवेदी जोन और कृष्णा वन्यजीव अभयारण्य की सीमा के भू-निर्देशांकों की सूची उपाबंध III की सारणी क और सारणी ख में दी गई है।

(5) मुख्य बिंदुओं के भू निर्देशांकों के साथ प्रस्तावित पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले ग्रामों की सूची उपाबंध-IV के रूप में उपाबद्ध है।

2. पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए आंचलिक महायोजना– (1) राज्य सरकार, पारिस्थितिकी संवेदी जोन के प्रयोजनों के लिए राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दो वर्ष की अवधि के भीतर, स्थानीय व्यक्तियों के परामर्श से और राज्य के सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के लिए इस अधिसूचना में दिए गए अनुबंधों का पालन करते हुए आंचलिक महायोजना तैयार करेगी।

(2) राज्य सरकार द्वारा पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए आचंलिक महायोजना ऐसी रीति से जो इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट किए गए हैं के अनुसार तथा सुसंगत केंद्रीय और राज्य विधियों के अनुरुप और केंद्रीय सरकार द्वारा जारी मार्गनिर्देशों, यदि कोई हों, द्वारा तैयार होगी ।

(3) आंचलिक महायोजना, उक्त योजना में पारिस्थितिकी और पर्यावरणीय बातों को समाकलित करने के लिए राज्य सरकार के निम्नलिखित विभागों के परामर्श से तैयार होगी, अर्थात्:-

(i) पर्यावरण;

(ii) वन और वन्यजीव;

(iii) कृषि;

(iv) राजस्व;

(v) शहरी विकास;

(vi) पर्यटन;

(vii) ग्रामीण विकास;

(viii) सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण,

(ix) नगरपालिका प्रशासन;

(x) सड़कें और इमारतें;

(xi) आंध्र प्रदेश राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड;

(xii) बंदरगाह;

(xiii) मत्स्य;

(xiv) इंडस्ट्रीज;

(xv) एपीटीआरएएनएससीओ;

(xvi) रेलवे;

(xvii) पंचायती राज; और

(xviii) लोक निर्माण विभाग।

(4) आंचलिक महायोजना अनुमोदित विद्यमान भू-उपयोग, अवसंरचना और क्रियाकलापों पर कोई निर्बंधन अधिरोपित नहीं करेगी जब तक कि इस अधिसूचना में इस प्रकार विनिर्दिष्ट न हो और आचंलिक महायोजना सभी अवसंरचना और क्रियाकलापों में जो अधिक दक्षता और पारिस्थितिकी अनुकूल हों का संवर्धन करेगी ।

(5) आंचलिक महायोजना में अनाच्छादित क्षेत्रों के जीर्णोद्धार, विद्यमान जल निकायों के संरक्षण, आवाह क्षेत्रों के प्रबंधन, जल-संभरों के प्रबंधन, जल संभर प्रबंधन, मृदा और नमी संरक्षण, स्थानीय समुदायों की आवश्यकताओं तथा पारिस्थितिकी और पर्यावरण से संबंधित ऐसे अन्य पहलुओं, जिन पर ध्यान देना आवश्यक है, के लिए उपबंध होंगे ।

(6) आंचलिक महायोजना विद्यमान और प्रस्तावित भूमि उपयोग विशेषताओं के ब्यौरों से अनुसमर्थित मानचित्र के साथ सभी विद्यमान पूजा स्थलों, ग्रामों और नगरीय बस्तियों, वनों के प्रकार और किस्मों, कृषि क्षेत्रों, ऊपजाऊ भूमि, हरित क्षेत्र जैसे उद्यान और उसी प्रकार के स्थान, उद्यान कृषि क्षेत्र, फलोउद्यान, झीलों और अन्य जल निकायों का अभ्यकंन करेगी।

(7) आंचलिक महायोजना पारिस्थितिकी संवेदी जोन में विकास को विनियमित करेगी और सारणी में सूचीबद्ध पैरा 4 में प्रतिषिद्ध और विनियमित क्रियाकलापों का अनुपालन करेगी और स्थानीय समुदायों की जीविका को सुरक्षित करने के लिए पारिस्थितिकी अनुकूल विकास को सुनिश्चित और उसकी अभिवृद्धि भी करेगी।

(8) आंचलिक महायोजना प्रादेशिक विकास योजना की सह-विस्तारी होगी ।

(9) इस प्रकार अनुमोदित आंचलिक महायोजना इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुसार मानीटरी के अपने कार्यों को करने के लिए मानीटर समिति के लिए एक संदर्भ दस्तावेज तैयार करेगी ।

3. राज्य सरकार द्वारा किए जाने वाले उपाय.- राज्य सरकार इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभावी करने के लिए निम्नलिखित उपाय करेगी, अर्थात्:-

(1) भू-उपयोग.– (क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में वनों, उद्यान कृषि क्षेत्रों, कृषि क्षेत्रों, मनोरंजन के प्रयोजनों के लिए चिन्हित किए गए पार्कों और खुले स्थानों का वाणिज्यिक या आवासीय या औद्योगिक संबद्ध विकास क्रियाकलापों के लिए उपयोग या संपरिवर्तन नहीं होगा:

परंतु यह कि पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर भाग (क) में विनिर्दिष्ट प्रयोजनों से भिन्न प्रयोजन के लिए कृषि और अन्य भूमि का संपरिवर्तन मानीटरी समिति की सिफारिश पर और यथा लागू और क्षेत्रीय नगर योजना अधिनियम और केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के अन्य नियमों तथा विनियमों के अधीन सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमोदन से, और इस

अधिसूचना के उपबंधों द्वारा स्थानीय निवासियों की निम्नलिखित आवासीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा, जैसे:-

(i) विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना और उन्हें सुदृढ़ करना तथा नई सड़कों का संनिर्माण;

(ii) बुनियादी ढांचों और नागरिक सुविधाओं का संनिर्माण और नवीकरण;

(iii) प्रदूषण उत्पन्न न करने वाले लघु उद्योग;

(iv) कुटीर उद्योगों जिनके अंतर्गत ग्रामीण उद्योग भी हैं; सुविधाजनक भण्डार और स्थानीय सुविधाएं सहायक पारिस्थितिकी पर्यटन जिसके अन्तर्गत गृह वास सम्मिलित है; और

(v) पैरा 4 के अधीन दिए गए संवर्धित क्रियाकलाप:

परंतु यह और कि प्रादेशिक नगर योजना अधिनियम और राज्य सरकार के अन्य नियमों और विनियमों के अधीन सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमोदन और संविधान के अनुच्छेद 244 के उपबंधों या तत्समय प्रवृत्त विधि के उपबंधों के अनुपालन के बिना, जिसके अन्तर्गत अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 (2007 का 2) भी है, वाणिज्यिक या औद्योगिक विकास क्रियाकलापों के लिए जनजातीय भूमि का उपयोग अनुज्ञात नहीं होगा:

परंतु यह और भी कि पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर भू-अभिलेखों में उपसंजात कोई गलती, मानीटरी समिति के विचार प्राप्त करने के पश्चात् राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक मामले में एक बार ठीक होगी और उक्त गलती के सुधार की सूचना केंद्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को दी जाएगी:

परंतु यह और भी कि गलती के संशोधन में इस उप पैरा के अधीन यथा उपबंधित के सिवाय किसी भी दशा में भू-उपयोग का परिवर्तन सम्मिलित नहीं होगा;

(ख) वनीकरण तथा वास जीर्णोद्धार क्रियाकलापों सहित अप्रयुक्त या अनुत्पादक कृषि क्षेत्रों में पुन: वनीकरण करने के प्रयास किए जाएंगे।

(2) प्राकृतिक जल स्रोतों.- आचंलिक महायोजना में सभी प्राकृतिक जल स्रोतों के आवाह क्षेत्रों की पहचान की जाएगी और उनके संरक्षण और नवीकरण के लिए योजना सम्मिलित होगी और राज्य सरकार द्वारा ऐसे क्षेत्रों पर या उनके निकट विकास क्रियाकलाप प्रतिषिद्ध करने के बारे में जो ऐसे क्षेत्रों के लिए अहितकर हो ऐसी रीति से मार्गदर्शक सिद्धांत तैयार किए जाएंगे ।

(3) पर्यटन या पारिस्थितिकी पर्यटन.- (क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर सभी नए पारिस्थितिकी पर्यटन क्रियाकलाप या विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों का विस्तार पर्यटन महायोजना के अनुसार पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए होगा।

(ख) पर्यटन महायोजना राज्य पर्यटन विभाग द्वारा राज्य पर्यावरण और वन विभाग के परामर्श से तैयार होगी।

(ग) पर्यटन महायोजना आंचलिक महायोजना के एक घटक के रूप में होगी।

(घ) पर्यटन महायोजना पारिस्थितिकी संवेदी जोन की वहन क्षमता के आधार पर तैयार की जाएगी।

(ङ) पारिस्थितिकी पर्यटन संबंधी क्रियाकलाप निम्नानुसार विनियमित होंगे:-

(i) संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन के विस्तार तक, इनमें जो भी निकट है, नये वाणिज्यिक होटल और सैरगाह के सन्निर्माण अनुज्ञात नहीं होंगे:

परंतु, यह कि संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर की दूरी से परे पारिस्थितिकी संवेदी जोन के विस्तार तक होटलों और रिजॉर्ट का स्थापना केवल पूर्व परिभाषित और नामनिर्दिष्ट क्षेत्रों में पर्यटन महायोजना के अनुसार पारिस्थितिकी पर्यटन सुविधाओं के लिए ही अनुज्ञात होगा;

(ii) पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर नए पर्यटन क्रियाकलापों या विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों का विस्तार केंद्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के मार्गदर्शक सिद्धांतों के द्वारा तथा राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण, द्वारा जारी पारिस्थितिकी–पर्यटन, पारिस्थितिकी-शिक्षा और पारिस्थितिकी-विकास पर बल देते हुए (समय-समय पर यथा संशोधित) जारी मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार होगा;

(iii) आंचलिक महायोजना का अनुमोदन किए जाने तक, पर्यटन के लिए विकास और विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों के विस्तार को वास्तविक स्थल विनिर्दिष्ट संवीक्षा और मानीटरी समिति की सिफारिश पर आधारित संबंधित विनियामक प्राधिकरणों द्वारा अनुज्ञात किया जाएगा और पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर किसी नये होटल या रिसोर्ट या वाणिज्यिक स्थापना का संनिर्माण अनुज्ञात नहीं किया जायेगा ।

(4) नैसर्गिक विरासत.- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में महत्वपूर्ण नैसर्गिक विरासत के सभी स्थलों जैसे जीन कोश आरक्षित क्षेत्र, शैल विरचनाएं, जल प्रपातों, झरनों, घाटी मार्गों, उपवनों, गुफाएं, स्थलों, भ्रमण, अश्वरोहण, प्रपातों आदि की पहचान की जाएगी और विरासत संरक्षण योजना आंचलिक महायोजना के भाग के रुप में परिरक्षण और संरक्षण के लिए तैयार की जाएगी ।

(5) मानव निर्मित विरासत स्थल.- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में भवनों, संरचनाओं, शिल्प-तथ्य, ऐतिहासिक, स्थापत्य, सौंदर्यपूरक और सांस्कृतिक महत्व के क्षेत्रों की और उपक्षेत्रों की पहचान और उनके संरक्षण के लिए विरासत योजना आंचलिक महायोजना के भाग के रुप में तैयार की जाएगी।

(6) ध्वनि प्रदूषण.- पर्यावरण अधिनियम के अधीन ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 में नियत उपबंधों के अनुसार पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ध्वनि प्रदूषण के नियंत्रण और निवारण का अनुपालन किया जाएगा।

(7) वायु प्रदूषण.- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में, वायु प्रदूषण के निवारण और नियंत्रण का वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 (1981 का 14) और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुसार अनुपालन किया जाएगा।

(8) बहिस्राव का निस्सारण.- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में उपचारित बहिस्राव का निस्सारण, साधारण मानकों के उपबंधों के अनुसार पर्यावरणीय अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों के अधीन आने वाले पर्यावरणीय प्रदूषण के निस्सारण के लिए साधारण मानकों या राज्य सरकार द्वारा नियत मानकों, जो भी अधिक कठोर हो, के उपबंधों के अनुसार होगा।

(9) ठोस अपशिष्ट.- ठोस अपशिष्ट का निपटान और प्रबंधन निम्नानुसार किया जाएगा:-

(क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ठोस अपशिष्ट का निपटान और प्रबंधन भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 1357(अ), तारीख 8 अप्रैल, 2016 द्वारा प्रकाशित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016, के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा। अकार्बनिक पदार्थो का निपटान पारिस्थितिकी संवेदी जोन से बाहर चिन्हित किए गए स्थानों पर पर्यावरण-अनुकूल रीति से किया जाएगा;

(ख) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में मान्य प्रौद्योगिकियों (ईएसएम) का उपयोग करते हुए विद्यमान नियमों और विनियमों के अनुरूप ठोस अपशिष्ट का सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल प्रबंधन अनुज्ञात किया जा सकेगा।

(10) जैव चिकित्सा अपशिष्ट.- जैव चिकित्सा अपशिष्ट का प्रबंधन निम्नानुसार किया जाएगा:-

(क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में जैव चिकित्सा अपशिष्ट का निपटान भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना सं.सा.का.नि 343 (अ), तारीख 28 मार्च, 2016, द्वारा प्रकाशित जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(ख) पारिस्थितिकी संवदी जोन में मान्य प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते हुए विद्यमान नियमों और विनियमों के अनुरूप जैव-चिकित्सा अपशिष्ट का सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल प्रबंधन अनुज्ञात किया जा सकेगा।

(11) प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन.- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन का निपटान भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथासंशोधित अधिसूचना सं.सा.का.नि 340(अ), तारीख 18 मार्च, 2016, द्वारा प्रकाशित प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(12) निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन.- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में संनिर्माण और विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन का निपटान भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथासंशोधित अधिसूचना सं.सां.का.नि 317(अ), तारीख 29 मार्च, 2016, द्वारा प्रकाशित संनिर्माण और विध्वंस प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा ।

(13) ई–अपशिष्ट.- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ई–अपशिष्ट प्रबंधन का निपटान भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा, समय-समय पर यथासंशोधित, प्रकाशित ई–अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016, के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(14) यानीय यातायात.- यातायात की यानीय गतिविधियां आवास के अनुकूल विनियमित होंगी और इस संबंध में आंचलिक महायोजना में विशेष उपबंध सम्मिलित किए जाएंगे और आंचलिक महायोजना के तैयार होने और राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित होने तक, मानीटरी समिति सुसंगत अधिनियमों और उसके अधीन बनाए गए नियमों और विनियमों के अनुसार यानीय क्रियाकलापों के अनुपालन को मानीटर करेगी ।

(15) यानीय प्रदूषण.- लागू विधियों के अनुपालन में यानीय प्रदूषण का निवारण और नियंत्रण किया जाएगा और स्वच्छक ईंधन के उपयोग के लिए प्रयास किए जाएंगे।

(16) औद्योगिक ईकाइयां.- (i) राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन पर या उसके पश्चात पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर किसी नए प्रदूषण करने वाले उद्योगों की स्थापना अनुज्ञात नहीं की जाएंगी ।

(ii) केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा फरवरी, 2016 में जारी मार्गदर्शक सिद्धांतों में उद्योगों के वर्गीकरण के अनुसार, जब तक कि अधिसूचना में इस प्रकार विनिर्दिष्ट न हो; पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर केवल गैर- प्रदूषणकारी उद्योगों को अनुज्ञात किया जाएगा और इसके अतिरिक्त, गैर प्रदूषणकारी उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा।

(17) पहाड़ी ढलानों को संरक्षण.- पहाड़ी ढलानों का संरक्षण निम्नानुसार होगा:-

(क) आंचलिक महायोजना पहाड़ी ढलानों पर क्षेत्रों का संकेत होगा जहां किसी भी संनिर्माण की अनुमति नहीं दी जाएगी;

(ख) कटाव के एक उच्च डिग्री के साथ विद्यमान खड़ी पहाड़ी ढलानों या ढलानों पर किसी भी संनिर्माण की अनुमति नहीं दी जाएगी ।

4. पारिस्थितिकी संवेदी जोन में प्रतिषिद्ध और विनियमित किए जाने वाले क्रियाकलापों की सूची.- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में सभी क्रियाकलाप पर्यावरण अधिनियम के उपबंधों और उसके अधीन बनाए गए नियमों जिसके अन्तर्गत तटीय विनियमन जोन अधिसूचना 2011 और पर्यावरणीय समाघात निर्धारण अधिसूचना, 2006 और अन्य लागू विधियों के जिसमें वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 (1980 का 69), भारतीय वन अधिनियम, 1927 (1927 का 16), वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (1972 का 53) सम्मिलित हैं और किये गये संशोधनों द्वारा शासित होंगे और नीचे दी गई सारणी में विनिर्दिष्ट रीति में विनियमित होंगे, अर्थात् :-

सारणी

क्रम सं.	क्रियाकलाप	विवरण
(1)	(2)	(3)
	क. प्रतिषिद्ध क्रियाकलाप	
1.	वाणिज्यिक खनन, पत्थर उत्खनन और अपघर्षण इकाईयां ।	(क) वास्तविक स्थानीय निवासियों की घरेलू आवश्यकताओं जिसमें निजी उपयोग के लिए मकानों के संनिर्माण या मरम्मत के लिए धरती को खोदना और मकान बनाने के लिए देशी टाइल्स या ईंटों का निर्माण करना भी सम्मिलित है, के सिवाय सभी प्रकार के नए और विद्यमान खनन (लघु और वृहत खनिज), पत्थर की खानें और उनकों तोड़ने की इकाइयां तत्काल प्रभाव से प्रतिषिद्ध होगी। (ख) खनन प्रचालन, माननीय उच्चतम न्यायालय की रिट याचिका (सिविल) सं. 1995 का 202 टी.एन. गौडाबर्मन थिरुमूलपाद बनाम भारत संघ के मामले में आदेश तारीख 4 अगस्त ,2006 और रिट याचिका (सी) सं. 2012 का 435 गोवा फाउंडेशन बनाम भारत संघ के मामले में तारीख 21 अप्रैल ,2014 के आदेश के अनुसरण में प्रचालन होगा ।
2.	प्रदूषण (जल, वायु, मृदा, ध्वनि आदि) उत्पन करने वाले उद्योगों की स्थापना ।	पारिस्थितिकी संवेदी जोन में कोई नया उद्योग लगाने और वर्तमान प्रदूषणकारी उद्योगों का विस्तार करने की अनुज्ञा नहीं होगी: परन्तु यह कि केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा फरवरी, 2016 में जारी मार्ग दर्शक सिद्धान्तों में उद्योगों के वर्गीकरण के अनुसार जब तक कि अधिसूचना में ऐसा विनिर्दिष्ट न हों, पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर गैर-प्रदूषणकारी उद्योगों को अनुज्ञात किया जाएगा और इसके अतिरिक्त गैर-प्रदूषणकारी कुटीर उद्यागों को बढ़ावा दिया जाएगा।
3.	बृहत जल विद्युत परियोजना की स्थापना ।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे ।
4.	किसी परिसंकटमय पदार्थों का उपयोग या उत्पादन या प्रसंस्करण।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे ।
5.	प्राकृतिक जल निकायों या क्षेत्र भूमि में अनुपचारित बहिर्स्राव का निस्सारण ।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे ।
6.	नई आरा मिलों की स्थापना।	पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर नई और विद्यमान आरा मिलों का विस्तार अनुज्ञात नहीं होगा ।
7.	ईंट भट्टों की स्थापना करना।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे ।

ख. विनियमित क्रियाकलाप		
8.	वाणिज्यिक होटलों और रिसोर्टों की स्थापना ।	पारिस्थितिकी पर्यटन क्रियाकलापों लघु अस्थायी संरचनाओं के सिवाय संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन के विस्तार तक, इनमें जो भी निकट है, नए वाणिज्यिक होटल और रिसोर्टों को अनुज्ञात नहीं किया जाएगा: परंतु यह कि संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के परे या पारिस्थितिकी संवेदी जोन के विस्तार तक इनमें से जो भी निकट हो सभी नए पर्यटन क्रियाकलाप या विद्यमान क्रियाकलाप का विस्तार पर्यटन महायोजना और यथा लागू मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुरुप होगा।
9.	संनिर्माण क्रियाकलाप ।	(क) संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन के विस्तार तक, इनमें जो भी निकट हो, किसी भी प्रकार के नये वाणिज्यिक संनिर्माण की अनुज्ञा नहीं होगी: परंतु यह कि स्थानीय लोगों को अपनी आवास सम्बन्धी निम्नलिखित आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, पैरा 3 के उप पैरा (1) में सूचीबद्ध क्रियाकलापों सहित अपने प्रयोग के लिए, अपनी भूमि में भवन उप-विधियों के अनुसार, संनिर्माण करने की अनुज्ञा होगी, जैसे:- परंतु यह कि गैर–प्रदूषणकारी लघु उद्योगों से संबंधित संनिर्माण क्रियाकलाप लागू नियमों और विनियमों, यदि कोई हों, के अनुसार सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति से विनियमित किए जाएंगे और वे न्यूनतम होंगे । (ख) एक किलोमीटर क्षेत्र से परे ये आंचलिक महायोजना के अनुसार विनियमित होंगे ।
10.	प्रदूषण उत्पन्न न करने वाले लघु उद्योग ।	फरवरी, 2016 में केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी उद्योगों में वर्गीकरण के अनुसार गैर-प्रदूषणकारी उद्योग और अपरिसंकटमय में, लघु और सेवा उद्योग, कृषि, पुष्प कृषि, उद्यान कृषि या पारिस्थितिकी संवेदी जोन से देशी सामग्री से उत्पादों को उत्पन्न करने वाले कृषि आधारित उद्योग सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुज्ञात होंगे।
11.	वृक्षों की कटाई ।	(क) राज्य सरकार में सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना वन, सरकारी या राजस्व या निजी भूमि पर या वनों में वृक्षों की कटाई नहीं होगी । (ख) वृक्षों की कटाई संबंधित केंद्रीय या राज्य अधिनियम या उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंध के अनुसार विनियमित होगे ।
12.	वन उत्पादों या गैर काष्ठ वन उत्पादों का संग्रहण।	लागू विधियों के अनुसार विनियमित होंगे ।
13.	विद्युत और संचार टावरों का परिनिर्माण और केबलों के बिछाए जाने और अन्य बुनियादी ढांचे ।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे । (भूमिगत केबल के बिछाए जाने को बढ़ावा दिया जाएगा)।
14.	नागरिक सुख सुविधाओं सहित अवसंरचनाएं ।	न्यूनीकरण उपायों को लागू विधियों, नियमों और विनियमनों और उपलब्ध मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार किया जाना ।
15.	विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना और उन्हें सुदृढ करना तथा नवीन सड़कों का संनिर्माण ।	न्यूनीकरण उपायों को लागू विधियों, नियमों और विनियमनों और उपलब्ध मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार किया जाना।
16.	पर्यटन से संबंधित अन्य क्रियाकलाप जैसे	लागू विधियों के अनुसार विनियमित होंगे ।

	गर्म वायु गुब्बारें, हेलीकाप्टर, ड्रोन, माइक्रोलाइटस आदि द्वारा पारिस्थितिकी संवेदी जोन क्षेत्र के ऊपर से उड़ना जैसे क्रियाकलाप करना।	
17.	पहाड़ी ढालों और नदी तटों का संरक्षण ।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे ।
18.	रात्रि में यानिक यातायात का संचलन ।	लागू विधियों के अधीन वाणिज्यिक प्रयोजन के लिए विनियमित होंगे ।
19.	स्थानीय समुदायों द्वारा चल रही कृषि और बागवानी प्रथाओं के साथ दुग्धशाला, दुग्ध उद्योग, कृषि और मछली पालन ।	स्थानीय लोगों के उपयोग के लिए लागू विधियों के अधीन अनुज्ञात होंगे ।
20.	फर्मो, कंपनियों द्वारा बड़े पैमाने पर वाणिज्यिक पशुओं और पोल्ट्री फार्मों की स्थापना ।	स्थानीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लागू विधियों के अधीन विनियमित (अन्यथा प्रदान किए गए) होंगे ।
21.	प्राकृतिक जल निकायों या सतही क्षेत्र में उपचारित बहिर्स्राव का निस्तारण ।	जल निकायों में उपचारित अपशिष्ट जल या बहिर्स्राव के निस्सारण से बचा जाएगा और उपचारित अपशिष्ट जल के पुन:चक्रण और पुन:उपयोग के लिए प्रयास किए जाएंगे। अन्यथा लागू विधियों के अनुसार उपचारित बहिर्स्राव के पुनर्चक्रण/प्रवाह के निर्वहन को विनियमित किया जाएगा।
22.	सतही और भूजल का वाणिज्यिक प्रयोग एवं निष्कर्षण ।	लागू विधियों के अनुसार विनियमित होंगे ।
23.	ठोस अपशिष्ट एवं प्रबन्धन।	लागू विधियों के अनुसार विनियमित होंगे ।
24.	विदेशी प्रजातियों को लाना ।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे ।
25.	पारिस्थितिकी-पर्यटन	लागू विधियों के अनुसार विनियमित होंगे ।
26.	पोलिथीन बैगों का प्रयोग ।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे ।
27.	वाणिज्यिक साइनबोर्ड और होर्डिंग ।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे ।
28.	विकास क्रियाकलापों के लिए विस्फोटक पदार्थ का उपयोग।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे ।
	ग. संवर्धित क्रियाकलाप	
29.	वर्षा जल संचयन ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
30.	जैविक खेती।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
31.	सभी गतिविधियों के लिए हरित प्रौद्योगिकी को ग्रहण करना ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
32.	कुटीर उद्योगों जिसके अंतर्गत ग्रामीण कारीगर भी हैं।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
33.	नवीकरणीय ऊर्जा और ईंधन का उपयोग ।	बायोगैस, सौर प्रकाश इत्यादि को बढ़ावा दिया जाना है ।
34.	कृषि वानिकी ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
35.	बागान लगाना और जड़ी बूटियों का रोपण।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
36.	पारिस्थितिकी अनुकूल परिवहन का उपयोग ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
37.	कौशल विकास ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
38.	निम्नीकृत भूमि/ वन / वास की बहाली ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
39.	पर्यावरणीय जागरुकता ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।

5. पारिस्थितिकी संवेदी जोन की अधिसूचना की मानीटरी के लिए मानीटरी समिति- केंद्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 3 की उपधारा (3) के अधीन इस अधिसूचना के उपबंधों की प्रभावी मानीटरी के लिए मानीटरी समिति का गठन करती है, जो निम्नलिखित से मिलकर बनेगी अर्थात्:-

क्र.सं.	**मानीटरी समिति का संविधान**	**पद**
(i)	संबंधित प्रभागीय वन अधिकारियों के जिला कलेक्टर	अध्यक्ष,पदेन;
(ii)	राज्य सरकार द्वारा नामित किए जाने वाले वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में काम करने वाले गैर-सरकारी संगठन का प्रतिनिधि	सदस्य;
(iii)	पर्यावरण इंजीनियर, विजयवाड़ा आंध्र प्रदेश राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड	सदस्य;
(iv)	नगर आयुक्त, कृष्णा और गुंटूर	सदस्य;
(v)	प्रभागीय वन अधिकारी, वन्यजीव प्रबंधन, एलुरु	सदस्य;
(vi)	राज्य सरकार द्वारा नामित जैव विविधता में एक विशेषज्ञ	सदस्य;
(vii)	राज्य के प्रतिष्ठित संस्थान या विश्वविद्यालय से पारिस्थितिकी में एक विशेषज्ञ	सदस्य;
(viii)	पोर्ट्स, निज़ामपट्टनम पोर्ट, निज़ामपटनम के निदेशक	सदस्य;
(ix)	महाप्रबंधक, डीआईसी, विजयवाड़ा	सदस्य;
(x)	उप निदेशक, मत्स्य, मचिलीपट्टनम	सदस्य;
(xi)	जिला वन्यजीव वार्डन, कृष्णा (टी) विजयवाड़ा, गुंटूर (टी) गुंटूर	सदस्य- सचिव।

6. निर्देश–निबंधन:- (1) मानीटरी समिति इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुपालन को मानीटर करेगी।

(2) मानीटरी समिति का कार्यकाल तीन वर्ष तक या राज्य सरकार द्वारा नई समिति के पुन: गठन तक के लिए होगा और तत्पश्चात मानीटरी समिति राज्य सरकार द्वारा गठित की जाएगी।

(3) ऐसे क्रियाकलापों की, जो भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक का.आ. 1533 (अ), तारीख 14 सितम्बर, 2006 की अनुसूची में सम्मिलित हैं, और जो पारिस्थितिकी संवेदी जोन में आते हैं, सिवाय इसके जो पैरा 4 के अधीन सारणी में यथा विनिर्दिष्ट प्रतिषिद्ध क्रियाकलापों के, मानीटरी समिति द्वारा वास्तविक विनिर्दिष्ट स्थलीय दशाओं के आधार पर संवीक्षा की जाएगी और उक्त अधिसूचना के उपबंधों के अधीन पूर्व पर्यावरण अनापत्ति के लिए केंद्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को निर्दिष्ट किया जाएगा।

(4) इस अधिसूचना के पैरा 4 के अधीन सारणी में यथा विनिर्दिष्ट प्रतिषिद्ध क्रियाकलापों के सिवाय, भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक का.आ. 1533(अ), तारीख 14 सितंबर, 2006 की अधिसूचना के अनुसूची के अधीन ऐसे अनुसूची में क्रियाकलापों, जिन्हें सम्मिलित नहीं किया गया है, परंतु पारिस्थितिकी संवेदी जोन में आते हैं, ऐसे क्रियाकलापों की वास्तविक विनिर्दिष्ट स्थलीय दशाओं पर आधारित निगरानी समिति द्वारा संवीक्षा की जाएगी और उसे संबद्ध विनियामक प्राधिकरणों को निर्दिष्ट किया जाएगा ।

(5) मानीटरी समिति का सदस्य-सचिव या संबद्ध उपायुक्त ऐसे व्यक्ति के विरूद्ध, जो इस अधिसूचना के किसी उपबंध का उल्लंघन करता है, पर्यावरण अधिनियम, की धारा 19 के अधीन परिवाद फाइल करने के लिए सक्षम होगा।

(6) मानीटरी समिति मुद्दा दर मुद्दा के आधार पर अपेक्षाओं पर निर्भर रहते हुए संबद्ध विभागों के प्रतिनिधियों या विशेषज्ञों, औद्योगिक संगमों या संबद्ध पणधारियों के प्रतिनिधियों को अपने विचार-विमर्श में सहायता के लिए आमंत्रित कर सकेगी ।

(7) मानीटरी समिति प्रत्येक वर्ष की 31 मार्च तक के अपने क्रियाकलापों की वार्षिक कार्रवाई रिपोर्ट राज्य के मुख्य वन्यजीव वार्डन को उपाबंध V के अनुसार प्रोफार्मा उक्त वर्ष के 30 जून तक प्रस्तुत करेगी ।

(8) केन्द्रीय सरकार का पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय मानीटरी समिति को अपने कृत्यों के प्रभावी निर्वहन के लिए समय-समय पर ऐसे निर्देश दे सकेगा, जो वह ठीक समझे ।

7. अतिरिक्त उपाय - इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभावी बनाने के लिए केंद्रीय सरकार और राज्य सरकार, अतिरिक्त उपाय, यदि कोई हों, विनिर्दिष्ट कर सकेंगी।

8. उच्चतम न्यायालय, आदि के आदेश- इस अधिसूचना के उपबंध भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय या राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा पारित किए गए या पारित किए जाने वाले आदेश, यदि कोई हो, के अध्यधीन होंगे ।

[फा. सं. 25/40/2018-ईएसजेड]

डॉ. सतीश चन्द्र गढ़कोटी, वैज्ञानिक 'जी'

उपाबंध -I

आंध्र प्रदेश राज्य में कृष्णा वन्यजीव अभयारण्य के चारों ओर पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा का विवरण

ठ से ट: पारिस्थितिकी संवेदी जोन सीमा स्टेशन 'एल' (अक्षांश: 15.8713° –देशांतर: 80.7645°) से आरंभ होती है, अभयारण्य सीमा से 1 किलोमीटर बंगाल की खाड़ी के तट पर कोथापलेम रिज़र्व वन में है और पश्चिम दिशा में समानांतर जाती है फिर यह कोथापलेम ग्राम के निकट बिंदु 'के' (अक्षांश: 15.9344° –देशांतर: 80.8177°) पहुंचती है।

ट से ञ: इसके बाद, पारिस्थितिकी संवेदी जोन सीमा मोल्लागूंटी ग्राम के निकट स्टेशन 'जे' (अक्षांश: 15.8871° – देशांतर: 80.8340°) से दक्षिण पूर्वी दिशा में पार करके जाती है।

ञ से झ: इसके बाद, पारिस्थितिकी संवेदी जोन सीमा मरूतून्ययापलेम ग्राम के निकट स्टेशन 'आई' (अक्षांश: 15.8798° –देशांतर: 80.8692°) से पश्चिमी दिशा में पार करके जाती है।

झ से ज: इसके बाद सीमा रेखा दक्षिणी दिशा में 'आई' पार करके जाती है यह लंकावानीडीब्बा ग्राम के निकट स्टेशन 'एच' (अक्षांश: 15.8040° –देशांतर: 80.8445°) पहुंचती है।

ज से छ: इसके बाद सीमा रेखा दक्षिणी दिशा में 'एच' पार करके जाती है फिर यह कृष्णा नदी के तट के निकट स्टेशन 'जी' (अक्षांश: 15.7698° –देशांतर: 80.8398°) पहुंचती है जहां यह कृष्णा नदी को पार करके पूर्व की ओर मुड़ती है।

छ से च: इसके बाद सीमा रेखा कृष्णा नदी को पार करके कृष्णा जिला में जाकर और इलीचेटयलाडिब्बा ग्राम के निकट स्टेशन 'एफ' (अक्षांश: 15.7896° –देशांतर: 80.8670°) से जुड़ती है और उत्तर–पूर्वी दिशा में अभयारण्य सीमा के समानांतर जाती है।

च से ङ: इसके बाद सीमा रेखा नदीपेरू (कृष्णा नदी की एक भुजा) को पार करके और नचुगूंटा द्धीप में जाती है और नचुगूंटा ग्राम के निकट स्टेशन 'ई' (अक्षांश: 15.7894° –देशांतर: 80.8874°) से जुड़ती है और नचुगूंटा खंड-II के दक्षिण- पश्चिम कोन से जुड़ती है।

ङ से घ : इसके बाद सीमा रेखा घिरे हुए होल ब्लॉक के ब्लॉक II नचुगूंटा आर.एफ. की सीमा रेखा के साथ जाती है और ब्लॉक के उत्तर-पूर्वी कोण पहुंचती है और सीमा से 1 किलोमीटर की दूरी पर समानांतर जाती है और बल्लालेरू (कृष्णा नदी का अन्य किनारा) को पार करके और इतीमोगा ग्राम के निकट स्टेशन 'डी' (अक्षांश: 15.8692° –देशांतर: 80.9692°) में जाती है।

घ से ग: इसके बाद पारिस्थितिकी संवेदी जोन सीमा रेखा अभयारण्य सीमा रेखा के समानांतर 1 किलोमीटर उत्तर-पूर्वी दिशा में जाती है और संगमेश्वरम ग्राम के निकट स्टेशन 'सी' (अक्षांश: 15.8962° –देशांतर: 80.0162°) से जुड़ती है।

ग से ख: इसके बाद पारिस्थितिकी संवेदी जोन सीमा रेखा अभयारण्य सीमा रेखा के समानांतर 1 किलोमीटर उत्तर-पूर्वी दिशा में जाती है। और सुभद्रापुरम ग्राम के निकट स्टेशन 'बी' (अक्षांश: 15.9375° –देशांतर: 80.0696°) से जुड़ती है।

ख से क: इसके बाद पारिस्थितिकी संवेदी जोन सीमा रेखा अभयारण्य सीमा रेखा के समानांतर 1 किलोमीटर उत्तर-पूर्वी दिशा में जाती है और हमसालादेवी ग्राम के निकट स्टेशन 'ए' (अक्षांश: 15.9936° –देशांतर: 80.0881°) से जुड़ती है। इसके बाद पारिस्थितिकी संवेदी जोन सीमा रेखा कृष्णा नदी के पहले तट पहुंचती है और नदी को पार करके और कृष्णा नदी के पूर्वी बांध जाती है यह बंगाल की खाड़ी तक पहुंचती है। इसके बाद पारिस्थितिकी संवेदी जोन सीमा रेखा अभयारण्य के समुद्र की तरफ के साथ बंगाल की खाड़ी में अभयारण्य सीमा के समानांतर 1 किलोमीटर आडे-तिरछे ढंग में, यह घिरा हुआ है और गुंटूर जिला में स्टेशन 'एल' (अक्षांश: 15.8713° –देशांतर: 80.7645°) आरंभिक बिंदु से जुड़ा और निकटतम है।

उपाबंध- IIक

मुख्य अवस्थानों के अक्षांश और देशांतर के साथ कृष्णा वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोन का गूगल मानचित्र

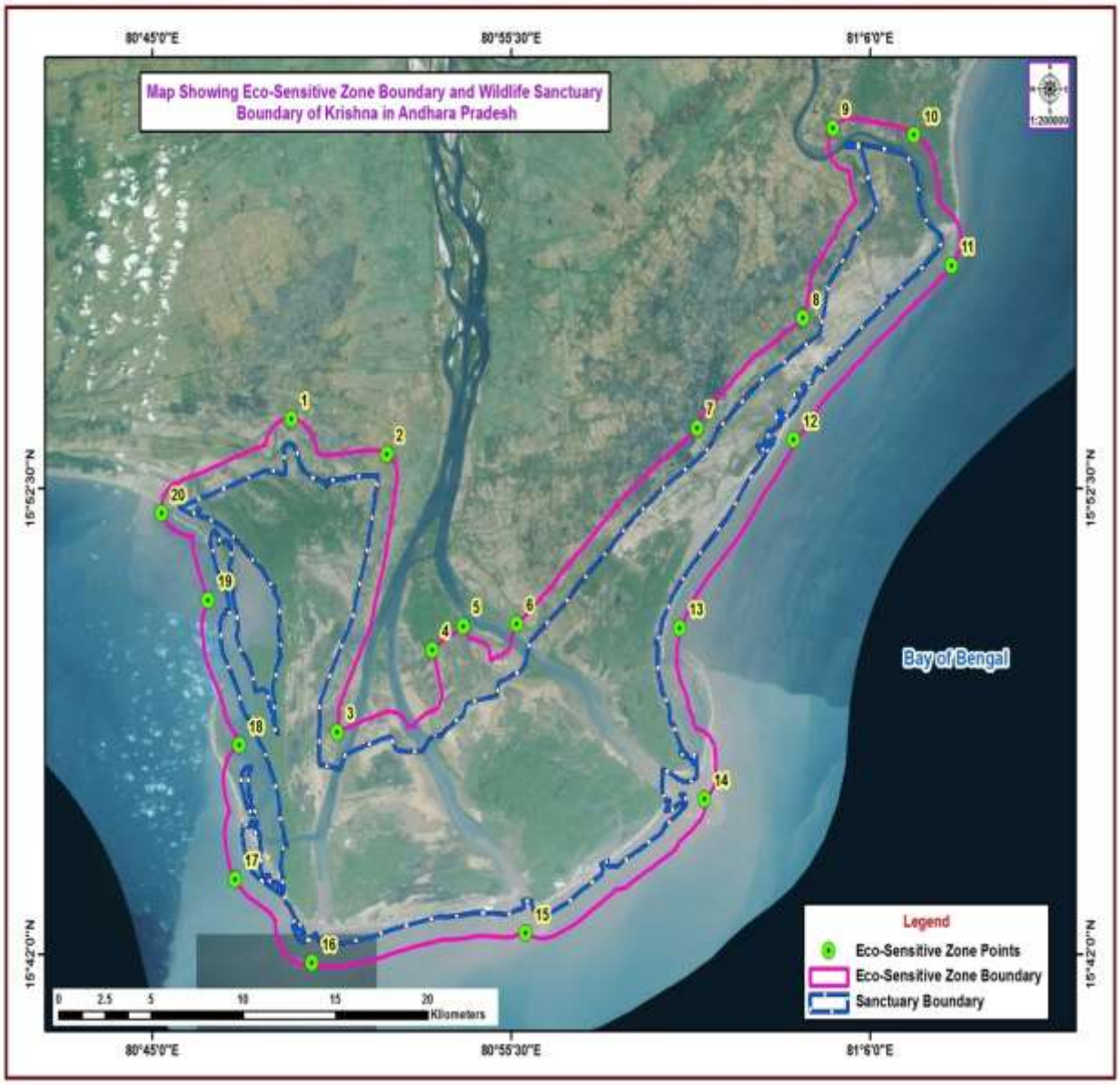

उपाबंध-IIख

भारतीय सर्वेक्षण (एस ओ आई) टोपोशीट पर मुख्य अवस्थानों के अक्षांश और देशांतर के साथ पारिस्थितिकी संवेदी जोन और कृष्णा वन्यजीव अभयारण्य का मानचित्र

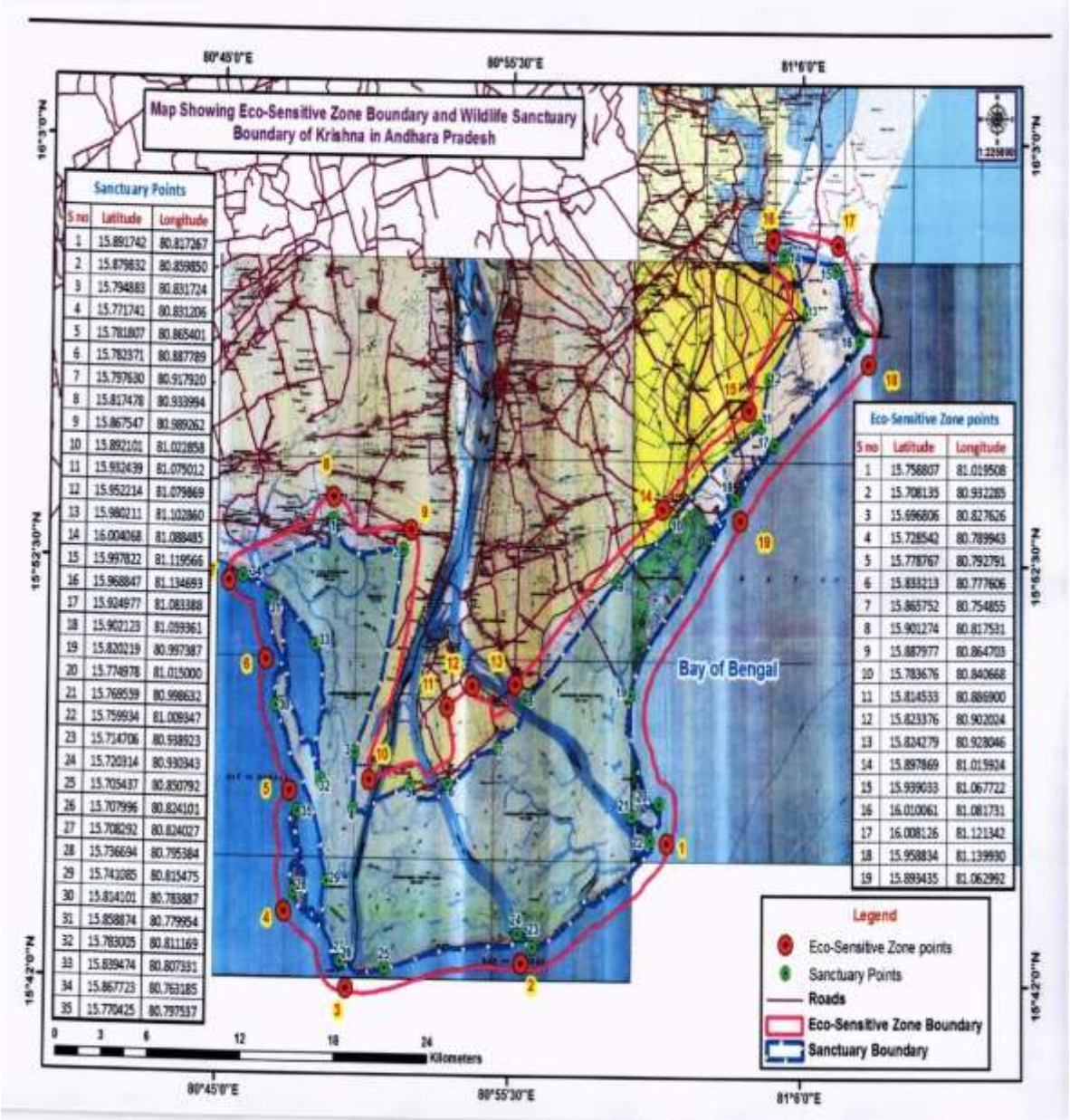

Sanctuary Points		
S no	Latitude	Longitude
1	15.891742	80.817267
2	15.879832	80.859850
3	15.794883	80.831724
4	15.771741	80.831206
5	15.781807	80.865401
6	15.782371	80.887789
7	15.797630	80.917920
8	15.817478	80.933994
9	15.867547	80.989262
10	15.892101	81.022858
11	15.932439	81.079012
12	15.952214	81.079869
13	15.980211	81.102860
14	16.004068	81.088485
15	15.997822	81.119566
16	15.968847	81.134693
17	15.924977	81.083388
18	15.902123	81.089361
19	15.820219	80.997387
20	15.774978	81.015000
21	15.769539	80.998632
22	15.759934	81.008947
23	15.714706	80.938923
24	15.720314	80.930343
25	15.705437	80.850792
26	15.707996	80.824101
27	15.708292	80.824027
28	15.736694	80.795384
29	15.741085	80.815475
30	15.814101	80.783887
31	15.858874	80.779954
32	15.783005	80.811169
33	15.839474	80.807331
34	15.867723	80.763185
35	15.770425	80.797537

Eco-Sensitive Zone points		
S no	Latitude	Longitude
1	15.756807	81.019508
2	15.708135	80.932285
3	15.696806	80.827626
4	15.728542	80.789943
5	15.778767	80.792791
6	15.833213	80.777606
7	15.865752	80.754855
8	15.901274	80.817531
9	15.887977	80.864703
10	15.783676	80.840668
11	15.814533	80.886900
12	15.823376	80.902024
13	15.824279	80.928046
14	15.897869	81.015934
15	15.939033	81.067722
16	16.010061	81.081731
17	16.008126	81.121342
18	15.958834	81.139930
19	15.899435	81.062992

उपाबंध-IIग

भारतीय सर्वेक्षण (एस ओ आई) टोपोशीट पर मुख्य अवस्थानों के अक्षांश और देशांतर के साथ कृष्णा वन्यजीव अभयारण्य के लिए पारिस्थितिकी संवेदी जोन का मानचित्र

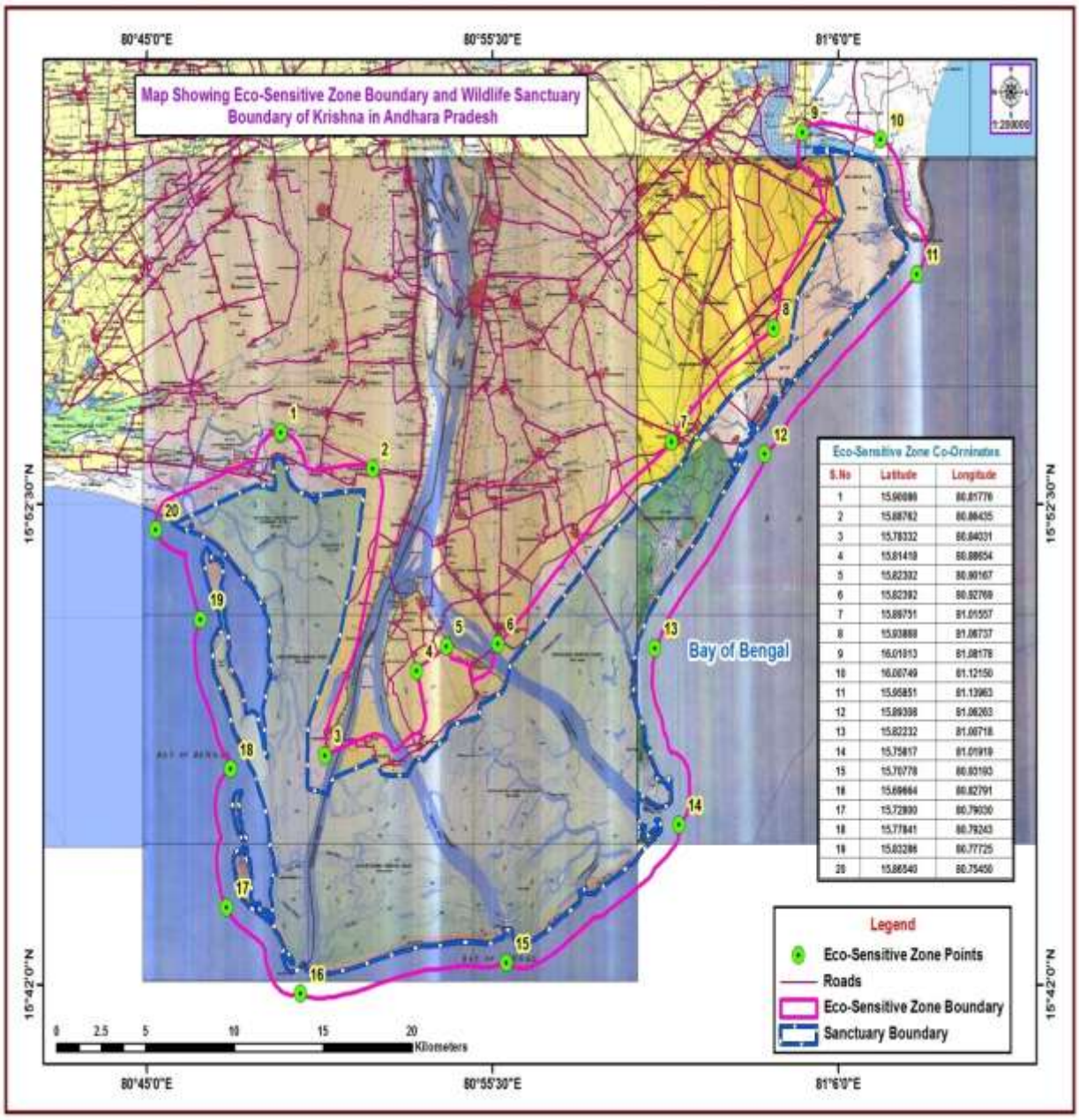

उपाबंध- III

सारणी क: कृष्णा वन्यजीव अभयारण्य के मुख्य अवस्थानों के भू-निर्देशांक

अभयारण्य निर्देशांक		
क्र.सं	अक्षांश (उ)	देशांतर(पू)
1	15.86788	80.76352
2	15.88125	80.80761
3	15.88020	80.81455
4	15.89009	80.81371
5	15.89194	80.81659
6	15.87597	80.83461
7	15.87806	80.83592
8	15.87983	80.85985
9	15.84983	80.85397
10	15.82574	80.84734
11	15.80382	80.83582
12	15.79488	80.83172
13	15.77174	80.83121
14	15.76921	80.84153
15	15.77521	80.84419
16	15.78162	80.86606
17	15.77672	80.86866
18	15.77630	80.88168
19	15.78237	80.88779
20	15.78152	80.88991
21	15.78913	80.90057
22	15.79431	80.90360
23	15.79763	80.91792
24	15.80266	80.91983
25	15.80683	80.92990
26	15.81826	80.93493
27	15.84221	80.96168
28	15.86486	80.98555
29	15.89638	81.02494
30	15.91767	81.04965
31	15.93207	81.07428
32	15.95176	81.07968
33	15.96438	81.08986
34	15.98021	81.10286
35	16.00309	81.09405

अभयारण्य निर्देशांक		
क्र.सं	अक्षांश (उ)	देशांतर(पू)
36	16.00339	81.08811
37	16.00437	81.09150
38	15.99970	81.11701
39	15.98170	81.12383
40	15.96794	81.13469
41	15.94721	81.10948
42	15.92301	81.08145
43	15.92359	81.07995
44	15.91908	81.07616
45	15.92008	81.07401
46	15.91491	81.07162
47	15.91352	81.06703
48	15.90980	81.06642
49	15.91049	81.06333
50	15.90807	81.06534
51	15.90206	81.05972
52	15.90372	81.05560
53	15.90130	81.05770
54	15.90212	81.05444
55	15.90130	81.05388
56	15.89952	81.05621
57	15.89637	81.05176
58	15.89064	81.04731
59	15.89105	81.04496
60	15.88851	81.04645
61	15.89183	81.05080
62	15.89348	81.05326
63	15.88995	81.05055
64	15.88489	81.04673
65	15.87726	81.03987
66	15.86513	81.03101
67	15.85461	81.02097
68	15.84384	81.01079
69	15.83421	81.00333
70	15.82819	81.00029

71	15.82638	80.99908
72	15.82247	80.99818
73	15.81906	80.99685
74	15.81773	80.99547
75	15.81577	80.99647
76	15.79875	80.99838
77	15.78750	81.00222
78	15.78205	81.00537
79	15.77573	81.00808
80	15.77483	81.01109
81	15.77167	81.01349
82	15.77498	81.01410
83	15.76693	81.01534
84	15.76489	81.00864
85	15.76956	80.99863
86	15.76075	80.99863
87	15.75774	81.00014
88	15.75763	81.00207
89	15.75396	81.00019
90	15.75450	81.00327
91	15.75670	81.00696
92	15.75781	81.00873
93	15.76006	81.00755
94	15.76011	81.00904
95	15.75701	81.01027
96	15.74635	80.99861
97	15.73382	80.97766
98	15.73311	80.97213
99	15.73520	80.97210
100	15.73393	80.96860
101	15.72918	80.96743
102	15.71914	80.95160
103	15.71493	80.93771
104	15.71956	80.93472
105	15.72031	80.93034
106	15.71704	80.92899
107	15.71509	80.92012
108	15.71432	80.89004
109	15.70777	80.82938
110	15.70510	80.82223
111	15.70958	80.81884
112	15.71241	80.81865
113	15.71027	80.81984
114	15.70781	80.82334
115	15.70800	80.82410
116	15.71031	80.82275
117	15.71248	80.82007
118	15.71740	80.81715
119	15.72039	80.81469
120	15.72162	80.81416
121	15.72574	80.80666
122	15.72938	80.80061
123	15.73431	80.79638
124	15.74139	80.79430
125	15.74714	80.79406
126	15.74903	80.79596
127	15.74804	80.79665
128	15.74977	80.79828
129	15.74838	80.79890
130	15.74973	80.79982
131	15.74816	80.80059
132	15.74537	80.80049
133	15.74575	80.80157
134	15.74189	80.80245
135	15.73734	80.80259
136	15.72993	80.80345
137	15.72857	80.80539
138	15.72954	80.80698
139	15.72704	80.80890
140	15.72568	80.81145
141	15.72388	80.81407
142	15.73139	80.81290
143	15.74021	80.81422
144	15.74109	80.81547
145	15.74751	80.81339
146	15.76069	80.81092
147	15.77681	80.80437
148	15.78070	80.80140
149	15.79094	80.79469
150	15.80280	80.78972

151	15.81335	80.78421	181	15.82485	80.79130
152	15.82286	80.78273	182	15.81877	80.79120
153	15.82729	80.78431	183	15.79894	80.80035
154	15.82814	80.78531	184	15.79463	80.80656
155	15.82939	80.78587	185	15.78300	80.81117
156	15.82851	80.78763	186	15.79020	80.80933
157	15.83165	80.78722	187	15.79866	80.80846
158	15.83548	80.78636	188	15.80696	80.81000
159	15.84103	80.78284	189	15.81133	80.81256
160	15.84859	80.77984	190	15.81464	80.81185
161	15.85096	80.77978	191	15.81787	80.81260
162	15.85351	80.77822	192	15.82541	80.81177
163	15.85789	80.77896	193	15.83679	80.80914
164	15.85887	80.77995	194	15.83823	80.80919
165	15.85735	80.78174	195	15.85166	80.79493
166	15.85578	80.78281	196	15.86178	80.78167
167	15.85475	80.78198	197	15.86539	80.77218
168	15.85543	80.78377	198	15.86709	80.77307
169	15.85537	80.78478	199	15.86753	80.77243
170	15.85476	80.78513	200	15.76937	80.79459
171	15.85508	80.78646	201	15.77047	80.79732
172	15.85408	80.78723	202	15.76605	80.79646
173	15.85331	80.78819	203	15.76037	80.79689
174	15.85029	80.78829	204	15.75582	80.79850
175	15.84889	80.78871	205	15.75353	80.80018
176	15.84460	80.78760	206	15.75293	80.79839
177	15.83968	80.78832	207	15.75627	80.79585
178	15.83705	80.78959	208	15.76087	80.79403
179	15.83414	80.78907	209	15.76527	80.79318
180	15.83027	80.78994			

सारणी ख: पारिस्थितिकी संवेदी जोन के मुख्य अवस्थानों के भू-निर्देशांक

क्र.सं	अक्षांश (उ)	देशांतर(पू)
1	15.90086	80.81776
2	15.88762	80.86435
3	15.78332	80.84031
4	15.81418	80.88654
5	15.82302	80.90167

6	15.82392	80.92769
7	15.89751	81.01557
8	15.93868	81.06737
9	16.01013	81.08178
10	16.00749	81.12150
11	15.95851	81.13963
12	15.89308	81.06263
13	15.82232	81.00718
14	15.75817	81.01919
15	15.70778	80.93193
16	15.69664	80.82791
17	15.72800	80.79030
18	15.77841	80.79243
19	15.83286	80.77725
20	15.86540	80.75450

उपाबंध-IV

भू-निर्देशांकों के साथ कृष्णा वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले ग्रामों की सूची

क्र.सं.	ग्राम का नाम	अक्षांश - देशांतर	टिप्पणी
1	हमसालादेवी	पू 15.991430^0 उ 81.096012^0	ये ग्राम कृष्णा वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत यह ग्राम आते हैं जो सभी सीमा के चारों ओर 1 किलोमीटर की दूरी पर है। ग्रामों के भू-निर्देशांक जहां पारिस्थितिकी संवेदी जोन के स्टेशन चिन्हित किए गए है, अलग से प्रस्तुत किए गए हैं।
2	पलाकायतिप्पा	पू 15.977840^0 उ 81.099565^0	
3	गोल्लापालेम	पू 15.926709^0 उ 81.060882^0	
4	सोरलागोंडी	पू 15.863822^0 उ 80.967162^0	
5	कम्मावारी पलेम पालम	पू 15.840329^0 उ 80.919018^0	
6	गोल्लालामोधा	पू 15.829376^0 उ 80.927899^0	
7	इदुरूमोंदी	पू 15.839223^0 उ 80.888191^0	
8	नाचुगुंटा	पू 15.786658^0 उ 80.888066^0	

9	एलिचेटलडिब्बा	पू 15.781129^0 उ 80.873134^0	
10	लंकावानिदीब्बा	पू 15,792388^0 उ 80.840830^0	
11	मोल्लागुंटा	पू 15.886951^0 उ 80.837566^0	
12	भीमावारी पालम	पू 15.891388^0 उ 80.820711^0	
13	कोथापालम	पू 15.886638^0 उ 80.796502^0	

उपाबंध-V

की गई कार्रवाई की रिपोर्ट का रूप विधान

1. बैठकों की संख्या और तारीख ।

2. बैठकों का कार्यवृत : (कृपया मुख्य उल्लेखनीय बिंदुओं का उल्लेख करें । बैठक के कार्यवृत्त को एक पृथक उपाबंध में उपाबद्ध करें) ।

3. आंचलिक महायोजना की तैयारी की प्रास्थिति जिसके अंतर्गत पर्यटन महायोजना भी है।

4. भू-अभिलेख में सदृश्य त्रुटियों के सुधार के लिए व्यवहार किए गए मामलों का सारांश (पारिस्थितिकी संवेदी जोन वार) । ब्यौरे उपाबंध के रूप में संलग्न किए जाएं।

5. पर्यावरण समाघात निर्धारण अधिसूचना, 2006 के अधीन आने वाले क्रियाकलापों की संवीक्षा के मामलों का सारांश। (ब्यौरे एक पृथक् उपाबंध के रूप में संलग्न किए जाएं)।

6. पर्यावरण समाघात निर्धारण अधिसूचना, 2006 के अधीन न आने वाली गतिविधियों की संवीक्षा के मामलों का सारांश । (ब्यौरे एक पृथक् उपाबंध के रूप में संलग्न किए जाएं)।

7. पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 19 के अधीन दर्ज की गई शिकायतों का सारांश ।

8. कोई अन्य महत्वपूर्ण विषय ।

MINISTRY OF ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE

NOTIFICATION

New Delhi, the 5th August, 2020

S.O. 2632(E).—WHEREAS, a draft notification was published in the Gazette of India, Extraordinary, *vide* notification of the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change number S.O. 4322 (E), dated the 28th November, 2019, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby within the period of sixty days from the date on which copies of the Gazette containing the said notification were made available to the public;

AND WHEREAS, copies of the Gazette containing the said draft notification were made available to the public on the 29th November, 2019;

AND WHEREAS, no objections and suggestions were received from persons and stakeholders in response to the draft notification;

AND WHEREAS, Krishna Wildlife Sanctuary was declared under section 26(A) of Wildlife (Protection) Act, 1972 *vide* G.O.Ms.No.79 Environment, Forests, Science and Technology (For-III), dated the 27th June, 1998 of the Government of Andhra Pradesh; the total area of the Sanctuary is 194.81 square kilometers of which Nachugunta Block – II Reserved Forest (RF) of 8.7548 square kilometers is to be included in the Sanctuary area covering two Revenue districts, namely Krishna and Guntur in between 15^0 42" to 16^0 00" North and 80^0 46" to 81^0 08" East;

AND WHEREAS, the flora and fauna of Krishna Wildlife Sanctuary constitute a unique eco-system characterised by tidal forest (Mangrove) existing in the Krishna estuarine area; the mangroves with rivulet estuaries form a district habitat in the Krishna delta complex; the Mangroves are the salt tolerant forest eco-system found mainly in the tropical and sub-tropical intertidal regions of the world, having specific biological and geological characteristics and they are not only highly sensitive and productive zones, but also act as nursery grounds for shrimp shale, fin-fish, etc; the flora and fauna occurring in the Mangrove forest have the special ability to tolerate various degrees of salinity; under favorable conditions the mangroves form an extensive productive eco-system of dense forests and also act as shelter belts and they are abode for a number of species of plants and animals associated with each other; and the inter-relationship between various species of plants and the animals in the Sanctuary is a matter of interest for study;

AND WHEREAS, the main type of forest is tidal forest (Mangrove Forest) with constituting species of *Avicenia officianalis, Avicenia marina, Avicenia alba, Rhizophora conjugate, Exocaria agallocha, Lumintzera racemosa, Aegiceras corniculatum, Acanthus illicifolius, Criops roxburghiana, Bruguiera conjugate, Carapa moleccensis, Dalbergia spinosa, Derris ulignosa, A canthus ilicifolius, Sesuvium portulacustrum, Suaeda nudiflora, Suaeda monovica, Salicornia brachiate, Myrio stachya,* etc ; the major fauna available in the Sanctuary are great crested grebe, little grebe, Indian shag, little cormorant, purple heron, pond heron, large egret, cattle egret, Indian roof heron, night heron, chestnut bittern, yellow bittern, glossy ibis, spotted billed duck, mallard, shoveller, red-crested pochard, tufted duck, comb duck, black winged kite, Indian moorhen, coot or common coot, pheasant tiled jacana, black winged stilt, red wattled lapwing, golden plover, large sand plover, ringed plover, common sandpiper, pintail snipe, Jack snipe, little stint, little tern, blue rock pigeon, ringdove, pied crested cuckoo, Indian cuckoo, pied kingfisher, swallow, rosy pastor, grey headed myna, red vented bulbul, spotted babbler, large bush warbler, ashy wren warbler, brown leaf warbler, red start, pied bush chat, purple sunbird, white pelican, darter, spoon bill, rhesus monkey, pond or green frog, tree frog, house gecko, wall lizard, garden lizard, striped keel back, olive keel back, cobra, Russels viper, hook nosed sea snake, hawksbill sea, estuarine crocodile, etc.; and Olive Ridley turtles are also breeding in the Sanctuary and the conservation of sea turtles (Olive Ridley) has become an important activity in the Sanctuary for the last three years;

AND WHEREAS, it is necessary to conserve and protect the area, the extent and boundaries of which are specified in paragraph 1, around the Krishna Wildlife Sanctuary as Eco-sensitive Zone from ecological, environmental and biodiversity point of view and to prohibit industries or class of industries and their operations and processes in the said Eco-sensitive Zone;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) and clauses (v) and (xiv) of sub-section (2) and sub-section (3) of Section 3 of the Environment (Protection) Act 1986 (29 of 1986) (hereafter in this notification referred to as the Environment Act) read with sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, the Central Government hereby notifies an area to an extent of 1.0 kilometre to 2.90 kilometres around the boundary of Krishna Wildlife Sanctuary, in Krishna and Guntur districts in the State of Andhra Pradesh as the Krishna Wildlife Sanctuary Eco-sensitive Zone (hereafter in this notification referred to as the Eco-sensitive Zone) details of which are as under, namely: -

1. **Extent and boundaries of Eco-sensitive Zone. –** (1) The Eco-sensitive Zone shall be to an extent of 1.0 kilometre uniform around the boundary of Krishna Wildlife Sanctuary except at one point on the northern boundary i.e. between survey stations 11 and 12, where Nachugunta Reserve Forest Block is included in the Eco-sensitive Zone, where the extent is 2.90 kilometers; and the area of the Eco-sensitive Zone is 175.33 square kilometers.

(2) The boundary description of Krishna Wildlife Sanctuary and its Eco-sensitive Zone is appended in **Annexure-I.**

(3) The maps of the Krishna Wildlife Sanctuary demarcating Eco-sensitive Zone along with boundary details and latitudes and longitudes are appended as **Annexure-IIA, Annexure-IIB** and **Annexure-IIC.**

(4) Lists of geo-coordinates of the boundary of Krishna Wildlife Sanctuary and Eco-sensitive Zone are given in Table **A** and Table **B** of **Annexure III.**

(5) The list of villages falling in the proposed Eco-sensitive Zone along with their geo co-ordinates at prominent points is appended as **Annexure-IV.**

2. **Zonal Master Plan for Eco-sensitive Zone.-**(1) The State Government shall, for the purposes of the Eco-sensitive Zone prepare a Zonal Master Plan within a period of two years from the date of publication of this notification in the Official Gazette, in consultation with local people and adhering to the stipulations given in this notification for approval of the competent authority in the State.

(2) The Zonal Master Plan for the Eco-sensitive Zone shall be prepared by the State Government in such manner as is specified in this notification and also in consonance with the relevant Central and State laws and the guidelines issued by the Central Government, if any.

(3) The Zonal Master Plan shall be prepared in consultation with the following Departments of the State Government, for integrating the ecological and environmental considerations into the said plan:-

(i) Environment;

(ii) Forest and Wildlife;

(iii) Agriculture;

(iv) Revenue;

(v) Urban Development;

(vi) Tourism;

(vii) Rural Development;

(viii) Irrigation and Flood Control;

(ix) Municipal Administration;

(x) Roads & Buildings;

(xi) Andhra Pradesh State Pollution Control Board;

(xii) Ports;

(xiii) Fisheries;

(xiv) Industries;

(xv) APTRANSCO;

(xvi) Railway;

(xvii) Panchayati Raj; and

(xviii) Public Works Department.

(4) The Zonal Master Plan shall not impose any restriction on the approved existing land use, infrastructure and activities, unless so specified in this notification and the Zonal Master Plan shall factor in improvement of all infrastructure and activities to be more efficient and eco-friendly.

(5) The Zonal Master Plan shall provide for restoration of denuded areas, conservation of existing water bodies, management of catchment areas, watershed management, groundwater management, soil and moisture

conservation, needs of local community and such other aspects of the ecology and environment that need attention.

(6) The Zonal Master Plan shall demarcate all the existing worshipping places, villages and urban settlements, types and kinds of forests, agricultural areas, fertile lands, green area, such as, parks and like places, horticultural areas, orchards, lakes and other water bodies with supporting maps giving details of existing and proposed land use features.

(7) The Zonal Master Plan shall regulate development in Eco-sensitive Zone and adhere to prohibited and regulated activities listed in the Table in paragraph 4 and also ensure and promote eco-friendly development for security of local communities' livelihood.

(8) The Zonal Master Plan shall be co-terminus with the Regional Development Plan.

(9) The Zonal Master Plan so approved shall be the reference document for the Monitoring Committee for carrying out its functions of monitoring in accordance with the provisions of this notification.

3. Measures to be taken by State Government.- The State Government shall take the following measures for giving effect to the provisions of this notification, namely:-

(1) Land use.– (a) Forests, horticulture areas, agricultural areas, parks and open spaces earmarked for recreational purposes in the Eco-sensitive Zone shall not be used or converted into areas for commercial or residential or industrial activities:

Provided that the conversion of agricultural and other lands, for the purposes other than that specified in clause (a) above, within the Eco-sensitive Zone may be permitted on the recommendation of the Monitoring Committee, and with the prior approval of the competent authority under Regional Town Planning Act and other rules and regulations of Central Government or State Government as applicable and *vide* provisions of this notification, to meet the residential needs of the local residents and for activities such as -

(i) widening and strengthening of existing roads and construction of new roads;

(ii) construction and renovation of infrastructure and civic amenities;

(iii) small scale industries not causing pollution;

(iv) cottage industries including village industries; convenience stores and local amenities supporting eco-tourism including home stay; and

(v) promoted activities given in paragraph 4:

Provided further that no use of tribal land shall be permitted for commercial and industrial development activities without the prior approval of the competent authority under Regional Town Planning Act and other rules and regulations of the State Government and without compliance of the provisions of article 244 of the Constitution or the law for the time being in force, including the Scheduled Tribes and Other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Forest Rights) Act, 2006 (2 of 2007):

Provided also that any error appearing in the land records within the Eco-sensitive Zone shall be corrected by the State Government, after obtaining the views of Monitoring Committee, once in each case and the correction of said error shall be intimated to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change:

Provided also that the correction of error shall not include change of land use in any case except as provided under this sub-paragraph.

(b) Efforts shall be made to reforest the unused or unproductive agricultural areas with afforestation and habitat restoration activities.

(2) Natural water bodies.-The catchment areas of all natural springs shall be identified and plans for their conservation and rejuvenation shall be incorporated in the Zonal Master Plan and the guidelines shall be drawn up by the State Government in such a manner as to prohibit development activities at or near these areas which are detrimental to such areas.

(3) Tourism or eco-tourism.- (a) All new eco-tourism activities or expansion of existing tourism activities within the Eco-sensitive Zone shall be as per the Tourism Master Plan for the Eco-sensitive Zone.

(b) The Tourism Master Plan shall be prepared by the State Department of Tourism in consultation with the State Departments of Environment and Forests.

(c) The Tourism Master Plan shall form a component of the Zonal Master Plan.

(d) The Tourism Master Plan shall be drawn based on the study of carrying capacity of the Eco-sensitive Zone.

(e) The activities of eco-tourism shall be regulated as under, namely:-

(i) new construction of hotels and resorts shall not be allowed within one kilometre from the boundary of the protected area or upto the extent of the Eco-sensitive Zone, whichever is nearer:

Provided that beyond the distance of one kilometre from the boundary of the protected area till the extent of the Eco-sensitive Zone, the establishment of new hotels and resorts shall be allowed only in pre-defined and designated areas for eco-tourism facilities as per Tourism Master Plan;

(ii) all new tourism activities or expansion of existing tourism activities within the Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the guidelines issued by the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change and the eco-tourism guidelines issued by the National Tiger Conservation Authority (as amended from time to time) with emphasis on eco-tourism, eco-education and eco-development;

(iii) until the Zonal Master Plan is approved, development for tourism and expansion of existing tourism activities shall be permitted by the concerned regulatory authorities based on the actual site specific scrutiny and recommendation of the Monitoring Committee and no new hotel, resort or commercial establishment construction shall be permitted within Eco-sensitive Zone area.

(4) Natural heritage.- All sites of valuable natural heritage in the Eco-sensitive Zone, such as the gene pool reserve areas, rock formations, waterfalls, springs, gorges, groves, caves, points, walks, rides, cliffs, etc. shall be identified and a heritage conservation plan shall be drawn up for their preservation and conservation as a part of the Zonal Master Plan.

(5) Man-made heritage sites.- Buildings, structures, artefacts, areas and precincts of historical, architectural, aesthetic, and cultural significance shall be identified in the Eco-sensitive Zone and heritage conservation plan for their conservation shall be prepared as part of the Zonal Master Plan.

(6) Noise pollution. - Prevention and control of noise pollution in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the provisions of the Noise Pollution (Regulation and Control) Rules, 2000 under the Environment Act.

(7) Air pollution.- Prevention and control of air pollution in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the provisions of the Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981 (14 of 1981) and the rules made thereunder.

(8) Discharge of effluents. - Discharge of treated effluent in Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the provisions of the General Standards for Discharge of Environmental Pollutants covered under the Environment Act and the rules made thereunder or standards stipulated by State Government whichever is more stringent.

(9) Solid wastes.- Disposal and management of solid wastes shall be as under:-

(a) the solid waste disposal and management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the Solid Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number S.O. 1357 (E), dated the 8th April, 2016; the inorganic material may be disposed in an environmental acceptable manner at site identified outside the Eco-sensitive Zone;

(b) safe and Environmentally Sound Management (ESM) of Solid wastes in conformity with the existing rules and regulations using identified technologies may be allowed within Eco-sensitive Zone.

(10) Bio-Medical Waste.– Bio-Medical Waste Management shall be as under:-

(a) the Bio-Medical Waste disposal in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the Bio-Medical Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number G.S.R. 343 (E), dated the 28th March, 2016.

(b) safe and Environmentally Sound Management of Bio-Medical Wastes in conformity with the existing rules and regulations using identified technologies may be allowed within the Eco-sensitive Zone.

(11) Plastic waste management.- The plastic waste management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Plastic Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number G.S.R. 340(E), dated the 18th March, 2016, as amended from time to time**.**

(12) Construction and demolition waste management.- The construction and demolition waste management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Construction and Demolition Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number G.S.R. 317(E), dated the 29th March, 2016, as amended from time to time.

(13) E-waste.- The e - waste management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the E-Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change, as amended from time to time.

(14) Vehicular traffic.– The vehicular movement of traffic shall be regulated in a habitat friendly manner and specific provisions in this regard shall be incorporated in the Zonal Master Plan and till such time as the Zonal Master plan is prepared and approved by the competent authority in the State Government, the Monitoring Committee shall monitor compliance of vehicular movement under the relevant Acts and the rules and regulations made thereunder.

(15) Vehicular pollution.- Prevention and control of vehicular pollution shall be incompliance with applicable laws and efforts shall be made for use of cleaner fuels.

(16) Industrial units.– (i) On or after the publication of this notification in the Official Gazette, no new polluting industries shall be permitted to be set up within the Eco-sensitive Zone.

(ii) Only non-polluting industries shall be allowed within Eco-sensitive Zone as per the classification of Industries in the guidelines issued by the Central Pollution Control Board in February, 2016, unless so specified in this notification, and in addition, the non-polluting cottage industries shall be promoted.

(17) Protection of hill slopes.- The protection of hill slopes shall be as under:-

(a) the Zonal Master Plan shall indicate areas on hill slopes where no construction shall be permitted;

(b) construction on existing steep hill slopes or slopes with a high degree of erosion shall not be permitted.

4. List of activities prohibited or to be regulated within Eco-sensitive Zone.- All activities in the Eco sensitive Zone shall be governed by the provisions of the Environment Act and the rules made thereunder including the Coastal Regulation Zone, 2011 and the Environmental Impact Assessment Notification, 2006 and other applicable laws including the Forest (Conservation) Act, 1980 (69 of 1980), the Indian Forest Act, 1927 (16 of 1927), the Wildlife (Protection) Act 1972 (53 of 1972), and amendments made thereto and be regulated in the manner specified in the Table below, namely:-

TABLE

(18)

S. No.	Activity	Description
(1)	(2)	(3)
1.	Commercial mining, stone quarrying and crushing units.	(a) All new and existing mining (minor and major minerals), stone quarrying and crushing units shall be prohibited with immediate effect except for meeting the domestic needs of bona fide local residents including digging of earth for construction or repair of houses and for manufacture of country tiles or bricks for housing and for other activities; (b) The mining operations shall be carried out in accordance with the order of the Hon'ble Supreme Court dated the 4th August, 2006 in the matter of T.N. Godavarman Thirumulpad Vs. UOI in W.P.(C)

		No.202 of 1995 and dated the 21st April, 2014 in the matter of Goa Foundation Vs. UOI in W.P.(C) No.435 of 2012.
2.	Setting of industries causing pollution (Water, Air, Soil, Noise, etc.).	New industries and expansion of existing polluting industries in the Eco-sensitive Zone shall not be permitted: Provided that non-polluting industries shall be allowed within Eco-sensitive Zone as per classification of Industries in the guidelines issued by the Central Pollution Control Board in February, 2016, unless otherwise specified in this notification and in addition the non-polluting cottage industries shall be promoted.
3.	Establishment of major hydro-electric project.	Prohibited (except as otherwise provided) as per the applicable laws.
4.	Use or production or processing of any hazardous substances.	Prohibited (except as otherwise provided) as per the applicable laws.
5.	Discharge of untreated effluents in natural water bodies or land area.	Prohibited (except as otherwise provided) as per the applicable laws.
6.	Setting up of new saw mills.	New or expansion of existing saw mills shall not be permitted within the Eco-sensitive Zone.
7.	Setting up of brick kilns.	Prohibited (except as otherwise provided) as per the applicable laws.
B. Regulated Activities		
8.	Commercial establishment of hotels and resorts.	No new commercial hotels and resorts shall be permitted within one kilometer of the boundary of the protected area or upto the extent of Eco-sensitive Zone, whichever is nearer, except for small temporary structures for eco-tourism activities: Provided that, beyond one kilometer from the boundary of the protected area or upto the extent of Eco-sensitive Zone, whichever is nearer, all new tourist activities or expansion of existing activities shall be in conformity with the Tourism Master Plan and guidelines as applicable.
9.	Construction activities.	(a) New commercial construction of any kind shall not be permitted within one kilometer from the boundary of the protected area or upto extent of the Eco-sensitive Zone, whichever is nearer: Provided that, local people shall be permitted to undertake construction in their land for their use including the activities mentioned in sub-paragraph (1) of paragraph 3 as per building bye-laws to meet the residential needs of the local residents: Provided further that the construction activity related to small scale industries not causing pollution shall be regulated and kept at the minimum, with the prior permission from the competent authority as per applicable rules and regulations, if any. (b) Beyond one kilometer it shall be regulated as per the Zonal Master Plan.
10.	Small scale nonpolluting industries.	Nonpolluting industries as per classification of industries issued by the Central Pollution Control Board in February, 2016 and non-hazardous, small-scale and

		service industry, agriculture, floriculture, horticulture or agro-based industry producing products from indigenous materials from the Eco-sensitive Zone shall be permitted by the competent authority.
11.	Felling of trees.	(a) There shall be no felling of trees in the forest or Government or revenue or private lands without prior permission of the competent authority in the State Government. (b) The felling of trees shall be regulated in accordance with the provisions of the concerned Central or State Act and the rules made thereunder.
12.	Collection of Forest Produce or Non-Timber Forest Produce.	Regulated as per the applicable laws.
13.	Erection of electrical and communication towers and laying of cables and other infrastructures.	Regulated under applicable laws (underground cabling may be promoted).
14.	Infrastructure including civic amenities.	Taking measures of mitigation as per the applicable laws, rules, regulations and available guidelines.
15.	Widening and strengthening of existing roads and construction of new roads.	Taking measures of mitigation as per the applicable laws, rules, regulations and available guidelines.
16.	Undertaking other activities related to tourism like flying over the Eco-sensitive Zone area by hot air balloon, helicopter, drones, microlites, etc.	Regulated as per the applicable laws.
17.	Protection of hill slopes and river banks.	Regulated as per the applicable laws.
18.	Movement of vehicular traffic at night.	Regulated for commercial purpose under applicable laws.
19.	Ongoing agriculture and horticulture practices by local communities along with dairies, dairy farming, aquaculture and fisheries.	Permitted as per the applicable laws for use of locals.
20.	Establishment of large-scale commercial livestock and poultry farms by firms, corporate and companies.	Regulated (except otherwise provided) as per the applicable laws except for meeting local needs.
21.	Discharge of treated waste water or effluents in natural water bodies or land area.	The discharge of treated waste water or effluents shall be avoided to enter into the water bodies and efforts shall be made for recycle and reuse of treated waste water. Otherwise the discharge of treated waste water or effluent shall be regulated as per the applicable laws.
22.	Commercial extraction of surface and ground water.	Regulated as per the applicable laws.
23.	Solid waste management.	Regulated as per the applicable laws.
24.	Introduction of exotic species.	Regulated as per the applicable laws.
25.	Eco-tourism.	Regulated as per the applicable laws.
26.	Use of polythene bags.	Regulated as per the applicable laws.
27.	Commercial sign boards and hoardings.	Regulated as per the applicable laws.
28.	Use of explosives for developmental activities.	Regulated as per the applicable laws.
C. Promoted Activities		

29.	Rain water harvesting.	Shall be actively promoted.
30.	Organic farming.	Shall be actively promoted.
31.	Adoption of green technology for all activities.	Shall be actively promoted.
32.	Cottage industries including village artisans, etc.	Shall be actively promoted.
33.	Use of renewable energy and fuels.	Bio-gas, solar light, etc. shall be actively promoted.
34.	Agro-Forestry.	Shall be actively promoted.
35.	Plantation of Horticulture and Herbals.	Shall be actively promoted.
36.	Use of eco-friendly transport.	Shall be actively promoted.
37.	Skill Development.	Shall be actively promoted.
38.	Restoration of degraded land/ forests/ habitat.	Shall be actively promoted.
39.	Environmental awareness.	Shall be actively promoted.

5. Monitoring Committee for Monitoring Eco-sensitive Zone Notification.- For effective monitoring of the provisions of this notification, under sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986, the Central Government hereby constitutes a Monitoring Committee, comprising of the following, namely:-

S. No.	Constituent of the Monitoring Committee	Designation
(i)	District Collectors of respective Divisional Forest Officers	Chairman, ex officio;
(ii)	A representative of Non-Governmental Organisation working in the field of wildlife conservation to be nominated by the State Government	Member;
(iii)	Environmental Engineer, Vijayawada, Andhra Pradesh State Pollution Control Board	Member;
(iv)	Municipal Commissioner, Krishna and Guntur	Member;
(v)	Divisional Forest Officer, Wildlife Management, Eluru	Member;
(vi)	An expert in Biodiversity nominated by the State Government	Member;
(vii)	One expert in Ecology from reputed institution or university of the State	Member;
(viii)	Director of Ports, Nizampatnam Port, Nizampatnam	Member;
(ix)	General Manager, DIC, Vijayawada	Member;
(x)	Deputy Director ,Fisheries, Machilipatnam	Member;
(xi)	District Wildlife Warden, Krishna (T) Vijayawada, Guntur (T) Guntur	Member-Secretary.

6. Terms of reference. – (1) The Monitoring Committee shall monitor the compliance of the provisions of this notification.

(2) The tenure of the Monitoring committee shall be for three years or till the re-constitution of the new Monitoring Committee by the State Government and subsequently the Monitoring Committee shall be constituted by the State Government.

(3) The activities that are covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forests number S.O. 1533 (E), dated the 14th September, 2006, and are falling in the Eco-sensitive Zone, except for the prohibited activities as specified in the Table under paragraph 4 thereof, shall be scrutinised by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change for prior environmental clearances under the provisions of the said notification.

(4) The activities that are not covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forest number S.O. 1533 (E), dated the 14th September, 2006 and are falling in the Eco-sensitive Zone, except for the prohibited activities as specified in the Table under paragraph 4 thereof, shall be scrutinised by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the concerned regulatory authorities.

(5) The Member-Secretary of the Monitoring Committee or the concerned Deputy Commissioner(s) shall be competent to file complaints under section 19 of the Environment Act, against any person who contravenes the provisions of this notification.

(6) The Monitoring Committee may invite representatives or experts from concerned Departments, representatives from industry associations or concerned stakeholders to assist in its deliberations depending on the requirements on issue to issue basis.

(7) The Monitoring Committee shall submit the annual action taken report of its activities as on the 31st March of every year by the 30th June of that year to the Chief Wildlife Warden in the State as per proforma appended at Annexure V.

(8) The Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change may give such directions, as it deems fit, to the Monitoring Committee for effective discharge of its functions.

7. Additional measures.- The Central Government and State Government may specify additional measures, if any, for giving effect to provisions of this notification.

8. Supreme Court, etc. Orders.- The provisions of this notification shall be subject to the orders, if any passed or to be passed by the Hon'ble Supreme Court of India or High Court or the National Green Tribunal.

[F. No. 25/40/2018-ESZ]
Dr. SATISH C. GARKOTI, Scientist 'G'

ANNEXURE- I

BOUNDARY DESCRIPTION OF KRISHNA WILDLIFE SANCTUARY AND ECO-SENSITIVE ZONE OF THE KRISHNA WILDLIFE SANCTUARY

L to K: The Eco-sensitive Zone boundary starts at Station 'L' (Lat: 15.8713^0 – Long: 80.7645^0), in Kothapalem Reserve Forest on the bank of Bay of Bengal 1 kilometer away from the Sanctuary boundary and runs parallel in westerly direction till it reaches point 'K' (Lat: 15.9344^0 – Long: 80.8177^0) near Kothapalem village.

K to J: Then, the Eco-sensitive Zone boundary traverses in south easterly direction to station 'J' (Lat: 15.8871^0 – Long: 80.8340^0) near Mollagunta village.

J to I: Then the Eco-sensitive Zone boundary traverses in westerly direction to station 'I' (Lat: 15.8798^0 – Long: 80.8692^0) near Mrutunjayapalem village.

I to H: Then the boundary line traverses from 'I' in southerly direction till it reaches station 'H' (Lat: 15.8040^0 – Long: 80.8445^0) near Lankavanidibba Village.

H to G: Then the boundary line traverses from 'H' in southerly direction till it reaches station 'G' (Lat: 15.7698^0 – Long: 80.8398^0) near the Bank of River Krishna, where it turns eastwards to cross river Krishna.

G to F: Then the boundary line crosses river Krishna enters into Krishna District and joins station 'F' (Lat: 15.7896^0 – Long: 80.8670^0) near the Elichetladibba Village and runs parallel to the sanctuary boundary in north – easterly direction.

F to E: Then the boundary line crosses Nadiperu (An arm of river Krishna) and enters into Nachugunta Island and joins station 'E' (Lat: 15.7894^0 – Long: 80.8874^0) near the Nachugunta Village and joins the south – west corner of Nachugunta Block-II.

E to D: Then the boundary line runs along the boundary line of Nachugunta R.F. Block-II encircling the hole block and reaches the north – eastern corner of the block and runs parallel at a distance of 1KM from the sanctuary boundary and crosses Ballaleru (another arm of river Krishna) and enters into station 'D' (Lat: 15.8692^0 – Long: 80.9692^0) near Etimoga village.

D to C: Then the Eco-sensitive Zone boundary line runs in north – eastern direction 1KM parallel to the sanctuary boundary line and joins station 'C' (Lat: 15.8962^0 – Long: 80.0162^0) near Sangameswaram village.

C to B: Then the Eco-sensitive Zone boundary line runs in north – eastern direction 1KM parallel to the sanctuary boundary line and joins station 'B' (Lat: 15.9375^0 – Long: 80.0696^0) near Subhadrapuram village.

B to A: Then the Eco-sensitive Zone boundary line runs in north – eastern direction 1 kilometre parallel to the sanctuary boundary line and joins station 'A' (Lat: 15.9936^0 – Long: 80.0881^0) near Hamsaladeevi village. Then the Eco-sensitive Zone boundary line reaches river Krishna the first arm and crosses the river and follows the eastern bund of river Krishna till it reaches Bay of Bengal.

Then the Eco-sensitive Zone boundary line traverses 1KM parallel to the sanctuary boundary in Bay of Bengal all along the Seaward side of the Sanctuary, encircling it and joins the starting point station 'L' (Lat: 15.8713^0 – Long: 80.7645^0) in Guntur District and closes.

ANNEXURE- IIA

GOOGLE MAP OF ECO-SENSITIVE ZONE OF KRISHNA WILDLIFE SANCTUARY ALONG WITH LATITUDE AND LONGITUDE OF PROMINENT LOCATIONS

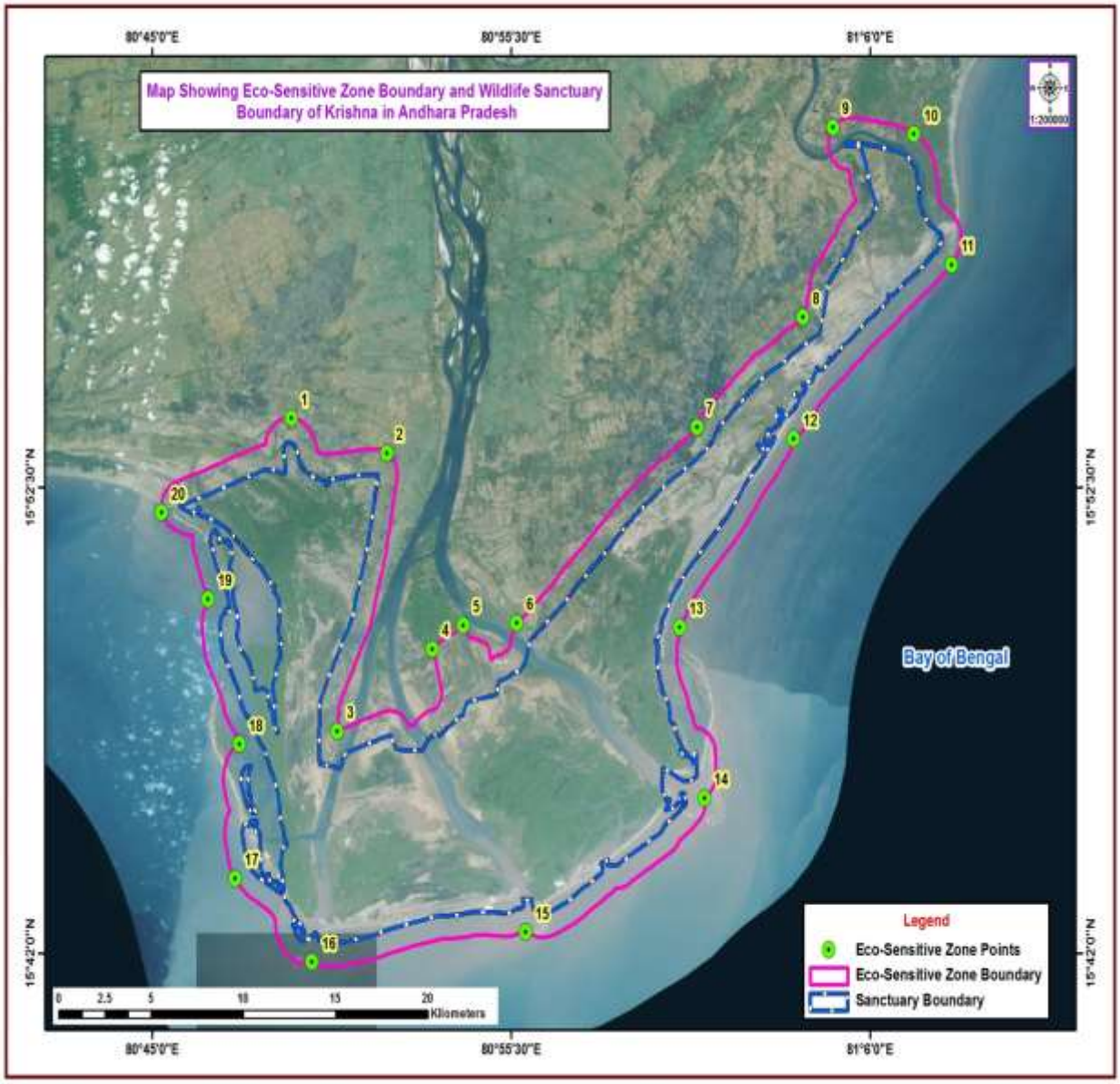

ANNEXURE- IIB

MAP OF KRISHNA WILDLIFE SANCTUARY AND ITS ECO-SENSITIVE ZONE OF ALONG WITH LATITUDE AND LONGITUDE OF PROMINENT LOCATIONS ON SURVEY OF INDIA (SOI) TOPOSHEET

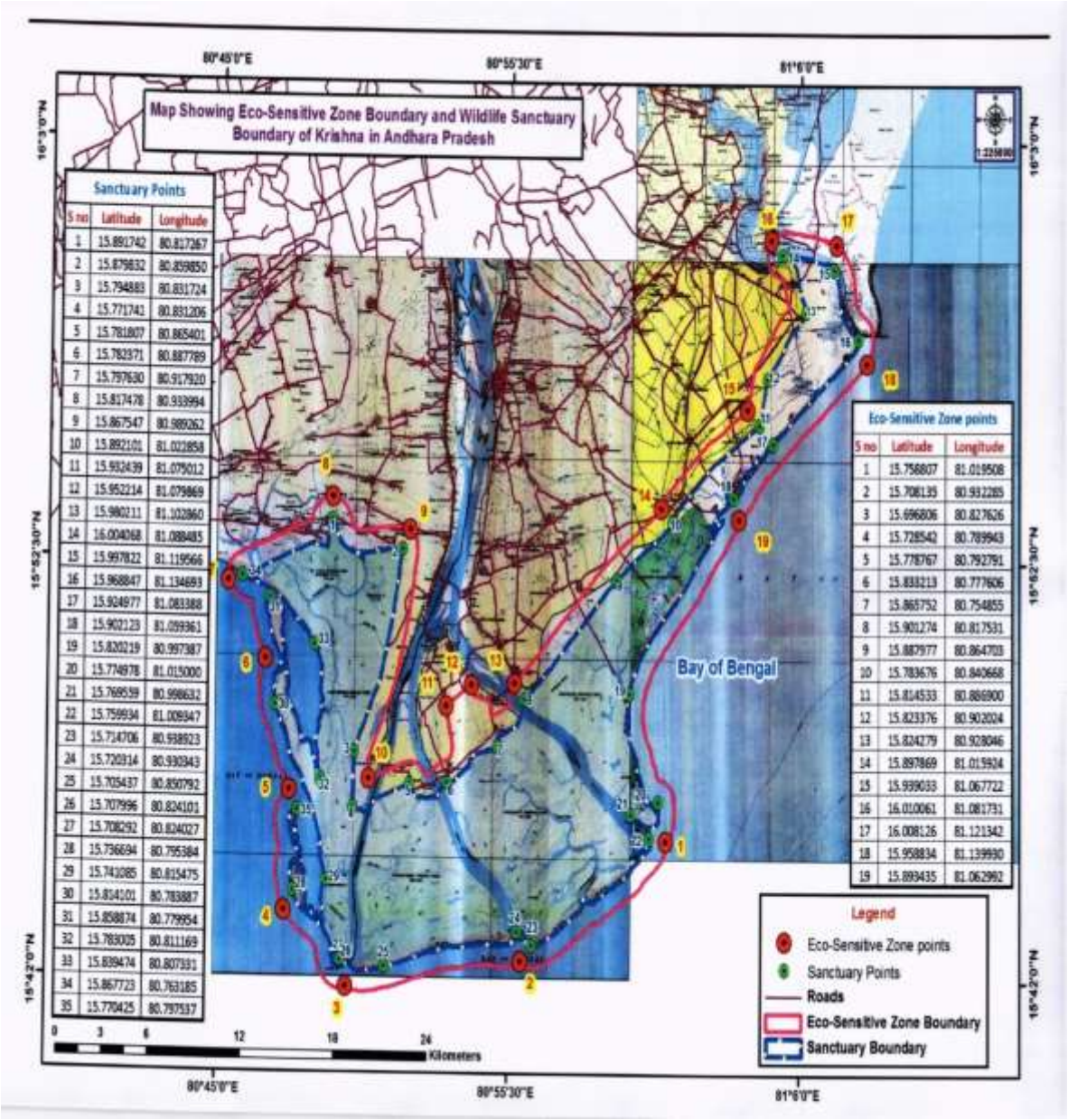

Sanctuary Points

S no	Latitude	Longitude
1	15.891742	80.817267
2	15.879832	80.859850
3	15.794883	80.831724
4	15.771741	80.831206
5	15.781807	80.865401
6	15.782371	80.887789
7	15.797630	80.917920
8	15.817478	80.933994
9	15.867547	80.989262
10	15.892101	81.022858
11	15.932439	81.079012
12	15.952214	81.079869
13	15.980211	81.102860
14	16.004068	81.088485
15	15.997822	81.119566
16	15.968847	81.134689
17	15.924977	81.083388
18	15.902123	81.059361
19	15.820219	80.997387
20	15.774978	81.015000
21	15.769539	80.998632
22	15.759934	81.008947
23	15.714706	80.938923
24	15.720314	80.930343
25	15.705437	80.850792
26	15.707996	80.824101
27	15.708292	80.824027
28	15.736694	80.795384
29	15.741085	80.815475
30	15.814101	80.783887
31	15.858874	80.779954
32	15.783005	80.811169
33	15.839474	80.807331
34	15.867723	80.763185
35	15.770425	80.797537

Eco-Sensitive Zone points

S no	Latitude	Longitude
1	15.756807	81.019508
2	15.708135	80.932285
3	15.696806	80.827626
4	15.728542	80.789943
5	15.778767	80.792791
6	15.833213	80.777606
7	15.865752	80.754855
8	15.901274	80.817531
9	15.887977	80.864703
10	15.783676	80.840668
11	15.814533	80.886900
12	15.823376	80.902024
13	15.824279	80.928046
14	15.897869	81.015934
15	15.939033	81.067722
16	16.010061	81.081731
17	16.008126	81.121342
18	15.958834	81.139930
19	15.893435	81.062992

ANNEXURE- IIC

MAP OF ECO-SENSITIVE ZONE FOR KRISHNA WILDLIFE SANCTUARY ALONG WITH LATITUDE AND LONGITUDE OF PROMINENT LOCATIONS ON SURVEY OF INDIA (SOI) TOPOSHEET

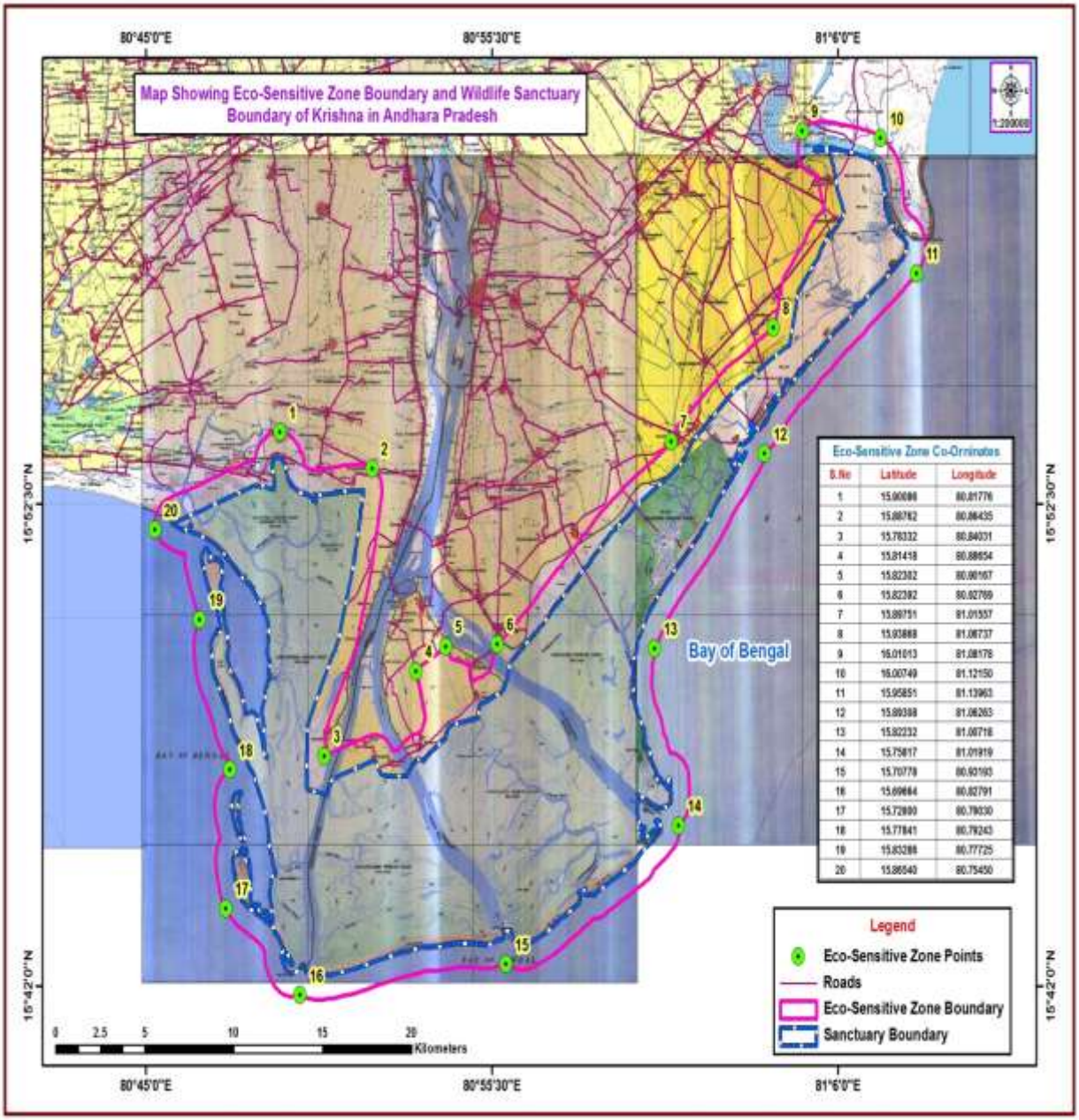

ANNEXURE-III

TABLE A: GEO-COORDINATES OF PROMINENT LOCATIONS OF KRISHNA WILDLIFE SANCTUARY

Sanctuary Co-ordinates		
S. No.	**Latitudes (N)**	**Longitudes (E)**
1	15.86788	80.76352
2	15.88125	80.80761
3	15.88020	80.81455
4	15.89009	80.81371
5	15.89194	80.81659
6	15.87597	80.83461
7	15.87806	80.83592
8	15.87983	80.85985
9	15.84983	80.85397
10	15.82574	80.84734
11	15.80382	80.83582
12	15.79488	80.83172
13	15.77174	80.83121
14	15.76921	80.84153
15	15.77521	80.84419
16	15.78162	80.86606
17	15.77672	80.86866
18	15.77630	80.88168
19	15.78237	80.88779
20	15.78152	80.88991
21	15.78913	80.90057
22	15.79431	80.90360
23	15.79763	80.91792
24	15.80266	80.91983
25	15.80683	80.92990
26	15.81826	80.93493
27	15.84221	80.96168
28	15.86486	80.98555
29	15.89638	81.02494
30	15.91767	81.04965
31	15.93207	81.07428
32	15.95176	81.07968
33	15.96438	81.08986
34	15.98021	81.10286
35	16.00309	81.09405

Sanctuary Co-ordinates		
S. No.	**Longitudes (E)**	**Longitudes (E)**
36	16.00339	81.08811
37	16.00437	81.09150
38	15.99970	81.11701
39	15.98170	81.12383
40	15.96794	81.13469
41	15.94721	81.10948
42	15.92301	81.08145
43	15.92359	81.07995
44	15.91908	81.07616
45	15.92008	81.07401
46	15.91491	81.07162
47	15.91352	81.06703
48	15.90980	81.06642
49	15.91049	81.06333
50	15.90807	81.06534
51	15.90206	81.05972
52	15.90372	81.05560
53	15.90130	81.05770
54	15.90212	81.05444
55	15.90130	81.05388
56	15.89952	81.05621
57	15.89637	81.05176
58	15.89064	81.04731
59	15.89105	81.04496
60	15.88851	81.04645
61	15.89183	81.05080
62	15.89348	81.05326
63	15.88995	81.05055
64	15.88489	81.04673
65	15.87726	81.03987
66	15.86513	81.03101
67	15.85461	81.02097
68	15.84384	81.01079
69	15.83421	81.00333
70	15.82819	81.00029

71	15.82638	80.99908
72	15.82247	80.99818
73	15.81906	80.99685
74	15.81773	80.99547
75	15.81577	80.99647
76	15.79875	80.99838
77	15.78750	81.00222
78	15.78205	81.00537
79	15.77573	81.00808
80	15.77483	81.01109
81	15.77167	81.01349
82	15.77498	81.01410
83	15.76693	81.01534
84	15.76489	81.00864
85	15.76956	80.99863
86	15.76075	80.99863
87	15.75774	81.00014
88	15.75763	81.00207
89	15.75396	81.00019
90	15.75450	81.00327
91	15.75670	81.00696
92	15.75781	81.00873
93	15.76006	81.00755
94	15.76011	81.00904
95	15.75701	81.01027
96	15.74635	80.99861
97	15.73382	80.97766
98	15.73311	80.97213
99	15.73520	80.97210
100	15.73393	80.96860
101	15.72918	80.96743
102	15.71914	80.95160
103	15.71493	80.93771
104	15.71956	80.93472
105	15.72031	80.93034
106	15.71704	80.92899
107	15.71509	80.92012
108	15.71432	80.89004
109	15.70777	80.82938
110	15.70510	80.82223
111	15.70958	80.81884
112	15.71241	80.81865
113	15.71027	80.81984
114	15.70781	80.82334
115	15.70800	80.82410
116	15.71031	80.82275
117	15.71248	80.82007
118	15.71740	80.81715
119	15.72039	80.81469
120	15.72162	80.81416
121	15.72574	80.80666
122	15.72938	80.80061
123	15.73431	80.79638
124	15.74139	80.79430
125	15.74714	80.79406
126	15.74903	80.79596
127	15.74804	80.79665
128	15.74977	80.79828
129	15.74838	80.79890
130	15.74973	80.79982
131	15.74816	80.80059
132	15.74537	80.80049
133	15.74575	80.80157
134	15.74189	80.80245
135	15.73734	80.80259
136	15.72993	80.80345
137	15.72857	80.80539
138	15.72954	80.80698
139	15.72704	80.80890
140	15.72568	80.81145
141	15.72388	80.81407
142	15.73139	80.81290
143	15.74021	80.81422
144	15.74109	80.81547
145	15.74751	80.81339
146	15.76069	80.81092
147	15.77681	80.80437
148	15.78070	80.80140
149	15.79094	80.79469
150	15.80280	80.78972

151	15.81335	80.78421	181	15.82485	80.79130
152	15.82286	80.78273	182	15.81877	80.79120
153	15.82729	80.78431	183	15.79894	80.80035
154	15.82814	80.78531	184	15.79463	80.80656
155	15.82939	80.78587	185	15.78300	80.81117
156	15.82851	80.78763	186	15.79020	80.80933
157	15.83165	80.78722	187	15.79866	80.80846
158	15.83548	80.78636	188	15.80696	80.81000
159	15.84103	80.78284	189	15.81133	80.81256
160	15.84859	80.77984	190	15.81464	80.81185
161	15.85096	80.77978	191	15.81787	80.81260
162	15.85351	80.77822	192	15.82541	80.81177
163	15.85789	80.77896	193	15.83679	80.80914
164	15.85887	80.77995	194	15.83823	80.80919
165	15.85735	80.78174	195	15.85166	80.79493
166	15.85578	80.78281	196	15.86178	80.78167
167	15.85475	80.78198	197	15.86539	80.77218
168	15.85543	80.78377	198	15.86709	80.77307
169	15.85537	80.78478	199	15.86753	80.77243
170	15.85476	80.78513	200	15.76937	80.79459
171	15.85508	80.78646	201	15.77047	80.79732
172	15.85408	80.78723	202	15.76605	80.79646
173	15.85331	80.78819	203	15.76037	80.79689
174	15.85029	80.78829	204	15.75582	80.79850
175	15.84889	80.78871	205	15.75353	80.80018
176	15.84460	80.78760	206	15.75293	80.79839
177	15.83968	80.78832	207	15.75627	80.79585
178	15.83705	80.78959	208	15.76087	80.79403
179	15.83414	80.78907	209	15.76527	80.79318
180	15.83027	80.78994			

TABLE B: GEO-COORDINATES OF PROMINENT LOCATIONS OF ECO-SENSITIVE ZONE

S. No.	Latitudes (N)	Longitudes (E)
1	15.90086	80.81776
2	15.88762	80.86435
3	15.78332	80.84031
4	15.81418	80.88654
5	15.82302	80.90167
6	15.82392	80.92769
7	15.89751	81.01557

8	15.93868	81.06737
9	16.01013	81.08178
10	16.00749	81.12150
11	15.95851	81.13963
12	15.89308	81.06263
13	15.82232	81.00718
14	15.75817	81.01919
15	15.70778	80.93193
16	15.69664	80.82791
17	15.72800	80.79030
18	15.77841	80.79243
19	15.83286	80.77725
20	15.86540	80.75450

ANNEXURE-IV

LIST OF VILLAGES COMING UNDER ECO-SENSITIVE ZONE OF KRISHNA WILDLIFE SANCTUARY ALONG WITH GEO-COORDINATES

SI. No.	Name of Village	Latitude - Longitude	Remarks
1	Hamsaladeevi	E 15.991430^0 N 81.096012^0	These villages fall along the Eco-sensitive Zone around the boundary of the Krishna Wildlife Sanctuary. The co-ordinates of the villages where the stations of the Eco-sensitive Zone are ear- marked, are submitted separately.
2	Palakayathippa	E 15.977840^0 N 81.099565^0	
3	Gollapalem	E 15.926709^0 N 81.060882^0	
4	Sorlagondi	E 15.863822^0 N 80.967162^0	
5	Kammavari Palem	E 15.840329^0 N 80.919018^0	
6	Gollalamodha	E 15.829376^0 N 80.927899^0	
7	Edurumondi	E 15.839223^0 N 80.888191^0	
8	Nachugunta	E 15.786658^0 N 80.888066^0	
9	Yelichetladibba	E 15.781129^0 N 80.873134^0	
10	Lankavanidibba	E $15,792388^0$ N 80.840830^0	
11	Mollagunta	E 15.886951^0 N 80.837566^0	
12	Bhimavari Palem	E 15.891388^0 N 80.820711^0	
13	Kothapalem	E 15.886638^0 N 80.796502^0	

ANNEXURE–V

Performa of Action Taken Report:-

1. Number and date of meetings.
2. Minutes of the meetings: (Mention noteworthy points. Attach minutes of the meeting as separate Annexure).
3. Status of preparation of Zonal Master Plan including Tourism Master Plan.
4. Summary of cases dealt with rectification of error apparent on face of land record (Eco-sensitive Zone wise). Details may be attached as Annexure.
5. Summary of cases scrutinised for activities covered under the Environment Impact Assessment Notification, 2006 (Details may be attached as separate Annexure).
6. Summary of cases scrutinised for activities not covered under the Environment Impact Assessment Notification, 2006 (Details may be attached as separate Annexure).
7. Summary of complaints lodged under section 19 of the Environment (Protection) Act, 1986.
8. Any other matter of importance.

Uploaded by Dte. of Printing at Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.